PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 189 ● भिलाई, मंगलवार 03 फरवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में भारी तनाव-भीड़ ने फूंके घर

मंदिर तोड़ने वाले आरोपियों ने जेल से छूटते ही किया हमला...

गरियाबंद/संवाददाता

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के हथखोज गांव में हालात बेहद चिंताजनक बने हुए हैं। करीब चार महीने पहले मंदिर में तोड़फोड़ करने वाले अपराधी जेल से छूटते ही फिर हिंसक रूप से सक्रिय हो गए। उनके द्वारा ग्रामीणों पर किए गए हथियारों से हमले ने अब एक बड़े सांप्रदायिक तनाव का रूप ले लिया है। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले का फिंगेश्वर थाना क्षेत्र सोमवार को हिंसा की आग में झुलस उठा। जानकारी के मुताबिक, हथखोज गांव में दो समुदायों के बीच हुई हिंसक झड़प ने देखते ही देखते गंभीर रूप धारण कर लिया। स्थिति इतनी बेकाबू हो गई कि गांव में बड़े पैमाने पर आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आईं, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया है। प्रशासन ने स्थिति को संभालने के लिए गांव को छावनी में तब्दील कर दिया है। इस पूरे तनाव की जड़ें करीब चार महीने पुराने एक विवाद से जुड़ी हुई हैं। उस समय इलाके में कुछ आपराधिक तत्वों द्वारा राहगीरों से लूटपाट और मारपीट के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। इन्ही आरोपियों ने गांव के एक प्राचीन शिव मंदिर में भी तोड़फोड़ की थी, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेज दिया था। हाल ही में जब ये आरोपी जेल से रिहा होकर बाहर आए, तो उन्होंने सुधारने के बजाय बदला लेने की नियत से बकली गांव में

शिकायतकर्ता और अन्य ग्रामीणों पर हमला बोल दिया। हथियारों से लैस इन अपराधियों ने ग्रामीणों के साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। अपराधियों की इस हरकत ने शांतिपूर्ण गांव में सांप्रदायिक रंग ले लिया और दोनों समुदाय आमने-सामने आ गए। जैसे ही अपराधियों द्वारा किए गए हमले की खबर फैली, दूसरे समुदाय के सैकड़ों लोग सड़क पर उतर आए। आक्रोशित ग्रामीणों की भीड़ ने आरोपियों के घरों को निशाना बनाया और उनमें आग लगा दी। चश्मदीदों के अनुसार, उग्र भीड़ ने न केवल मकानों को फूंका बल्कि वहां खड़े तीन से चार वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया। आग की लपटों और धुएं के गुबार के बीच गांव में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भारी बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए छत्तीसगढ़ पुलिस ने तत्काल सुरक्षा घेरा तैयार किया और गांव में गश्त बढ़ा दी। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की गाड़ियों को मशक्कत करनी पड़ी, वहीं झड़प में घायल हुए लोगों को अस्पताल पहुंचाने के लिए एम्बुलेंस सेवाएं तैनात की गई हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि स्थिति फिलहाल तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है। गांव के चप्पे-चप्पे पर सशस्त्र बल तैनात किया गया है ताकि हिंसा की कोई और वारदात न हो सके।

दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई: सीएम साय

हिंसक झड़प पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि घटना उनके संज्ञान में है और सरकार पूरी गंभीरता से मामले पर नजर रखे हुए है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि तीनों आरोपी और जो भी इस घटना के लिए जिम्मेदार होगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाए जाने को लेकर पूछे गए सवाल पर भी मुख्यमंत्री ने यही दोहराया कि सरकार कानून के दायरे में रहते हुए ही हर कदम उठाएगी।

संक्षिप्त समाचार

बाड़ेछीना के पास सड़क हादसा, स्कूटी सवार युवक की मौके पर मौत

अल्मोड़ा। जनपद के धौलछीना थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा अल्मोड़ाङ्कबाड़ेछीना मोटर मार्ग पर दल बैंड के समीप हुआ, जिससे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। जानकारी के अनुसार शनिवार शाम स्कूटी और एक ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि स्कूटी सवार युवक ट्रक के पहियों की चपेट में आ गया और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा बेहद भयावह था, जिससे कुछ देर के लिए मार्ग पर अफरा-तफरी मच गई। मृतक की पहचान कमलेश सिंह भंडारी पुत्र मोहन सिंह भंडारी, निवासी खोल्टा अल्मोड़ा के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। दुर्घटना के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

सरयू नदी पर 120 मेगावाट की चमगाड़ परियोजना शुरू करने की मांग

पिथौरागढ़। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व दायित्वधारी मथुरा दत्त जोशी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर पिथौरागढ़ की बहुप्रतीक्षित चमगाड़ जल विद्युत परियोजना को पुनर्जीवित करने की मांग की है। वरिष्ठ नेता जोशी ने बताया कि सरयू नदी के चमगाड़ नामक स्थान पर 120 मेगावाट की यह परियोजना अविभाजित उत्तर प्रदेश के समय प्रस्तावित की गई थी। सिंचाई विभाग की इस योजना का प्रारंभिक सर्वे बहुत पहले कर लिया था, लेकिन राज्य गठन के बाद से यह ठंडे बस्ते में पड़ी है। परियोजना शुरू होने से सीमांत जनपद पिथौरागढ़ के सैकड़ों स्थानीय बेरोजगार युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर मिलेंगे। इस परियोजना से राज्य को प्रतिवर्ष हजारों मेगावाट अतिरिक्त बिजली प्राप्त होगी, जिससे उत्तराखंड की ऊर्जा स्थिति मजबूत होगी।

पोक्सो मामले में आरोपी गिरफ्तार, नाबालिग किशोरी गुरुग्राम से सकुशल बरामद

अल्मोड़ा। पोक्सो एक्ट से जुड़े एक मामले में कोतवाली द्वाराहाट पुलिस और एसओजी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी को गुरुग्राम से गिरफ्तार कर नाबालिग किशोरी को सकुशल बरामद किया है। पीड़ित बालिका को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार बीती 27 जनवरी को एक व्यक्ति ने राजस्व क्षेत्र में तहरीर देकर अपने गांव की एक नाबालिग किशोरी के गुमशुदा होने की सूचना दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए 29 जनवरी को विवेचना रेगुलर पुलिस कोतवाली द्वाराहाट को हस्तांतरित की गई। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पींचा ने तत्काल संज्ञान लेते हुए गुमशुदा बालिका की शीघ्र बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिए।

लोकसभा में भिड़े राहुल और ओम बिरला

स्पीकर ओम बिरला ने सदन में बहस का पढ़ाया पाठ......

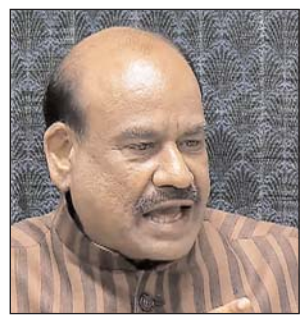

संसद के बजट सत्र के दौरान उस वक्त भारी हंगामा खड़ा हो गया, जब राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज नरवणे की अप्रकाशित किताब का जिक्र छेड़ दिया। राहुल गांधी डोकलाम में चीनी टैंकों की मौजूदगी और भारत-चीन संबंधों पर अपनी बात रख रहे थे, जिसका सत्ता पक्ष ने पुरजोर विरोध किया। सदन में घमासान तब शुरू हुआ जब राहुल गांधी ने जनरल नरवणे के हवाले से चीन के मुद्दे पर सरकार को घेरना चाहा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने तुरंत इस पर आपत्ति जताई।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन के नियम 349 का हवाला देते हुए राहुल गांधी को रोका। उन्होंने स्पष्ट किया कि सदन में किसी ऐसी सामग्री या अप्रकाशित किताब का उल्लेख नहीं किया जा सकता, जिसकी सत्यता की पुष्टि न हो।

फ्यूल स्विच में फिर गड़बड़ी

एअर इंडिया के ड्रीमलाइनर का स्विच हुआ बंद,अब प्लेन की उड़ानों पर लगी रोक......

नई दिल्ली। एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के फ्यूल स्विच में खराबी की आशंका के मद्देनजर विमान को उड़ान भरने से रोक दिया गया। विमान के पायलटों ने ईंधन नियंत्रण स्विच में संभावित खराबी की सूचना दी थी। इस मामले पर एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, 'हमें इस बात की जानकारी है कि हमारे एक पायलट ने बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान के फ्यूल स्विच में संभावित खराबी की सूचना दी है। यह प्रारंभिक सूचना प्राप्त होने के बाद हमने उक्त विमान को उड़ान भरने से रोक दिया है। पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से कहा है कि विमान में 200 से अधिक लोग सवार थे। एअर इंडिया ने कहा, 'पायलट की चिंताओं की प्राथमिकता के आधार पर जांच कराने के लिए निर्माता कंपनी से संपर्क कर रहे हैं। इस मामले की जानकारी विमानन नियामक, डीजीसीए को दे दी गई है। डीजीसीए के निर्देश के बाद एअर इंडिया ने अपने बेड़े के सभी बोइंग 787 विमानों के ईंधन नियंत्रण स्विच की जांच की थी और कोई समस्या नहीं पाई थी।' यह घटना ऐसे समय पर हुई है, जब पिछले साल जून में अहमदाबाद में हुए ड्रीमलाइनर विमान हादसे की जांच चल रही है। सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन के मुताबिक एअर इंडिया की उड़ान-ढ्ढ132 के चालक दल ने बताया कि बोइंग ड्रीमलाइनर के बाएं इंजन के फ्यूल स्विच को चालू करते समय यह 'रन' की स्थिति में लॉक होने की जगह

'कट ऑफ' होने की ओर बढ़ने लगा। इसकी वजह से उड़ान के दौरान अनजाने में इंजन बंद होने की संभावना बन सकती है। एअर इंडिया के इस विमान ने रविवार रात नौ बजकर उन्नीस मिनट पर लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से उड़ान भरी। विमान सोमवार सुबह 11 बजकर 54 मिनट पर बंगलूरू में उतरा। मामले पर बोइंग ने कहा कि वह एअर इंडिया के संपर्क में है और इस मामले की समीक्षा में उनका सहयोग कर रहा है। मामले पर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई। यह सिस्टम विमान के इंजन को ईंधन की सप्लाई को नियंत्रित करता है। अगर इसमें गड़बड़ी हो जाए तो इंजन बंद होने या ईंधन की आपूर्ति रुकने का जोखिम हो सकता है। इसलिए डीजीसीए ने इसे गंभीरता से लिया है। डीजीसीए ने सभी एयरलाइनों से कहा है कि वे अपने बोइंग 787 और 737 बेड़े के सभी विमानों की तकनीकी जांच करें और रिपोर्ट सौंपें।

तैयार होगा सुरक्षा कवच

'चिकन नेक' में अब जमीन के नीचे दौड़ेगी ट्रेन-अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली/ एजेंसी

पूर्वोत्तर भारत को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाला रास्ता, जिसे सामरिक तौर पर 'चिकन नेक' कहा जाता है, अब और सुरक्षित और मजबूत होने वाला है। केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल के इस बेहद अहम गलियारे में अंडरग्राउंड रेलवे ट्रैक बिछाने की योजना तैयार की है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को बजट आवंटन पर चर्चा करते हुए इस बड़े प्रोजेक्ट का खुलासा किया। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से गुजरने वाला यह रास्ता बहुत संकरा है, जो सामरिक दृष्टि से भारत के लिए संवेदनशील है। रेल मंत्री ने

बताया कि इस 40 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के लिए विशेष योजना बनाई गई है। भारतीय रेल नेटवर्क के आधुनिकीकरण और कनेक्टिविटी विस्तार की दिशा में पश्चिम बंगाल के लिए एक बड़ा मील का पत्थर स्थापित हुआ है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि पश्चिम बंगाल को अपनी पहली बुलेट ट्रेन मिलने जा रही है। यह हाई-स्पीड कॉरिडोर न केवल राज्य के भीतर यात्रा के समय को कम करेगा, बल्कि उत्तर-पूर्व (नॉर्थ-ईस्ट) और उत्तर भारत के बीच आर्थिक संबंधों को भी एक नई दिशा प्रदान करेगा। रेल मंत्री के अनुसार, बंगाल की पहली बुलेट ट्रेन वाराणसी से सिलीगुड़ी के बीच चलाई जाएग। जिसका रूट पटना (बिहार) होकर गुजरेगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसका भविष्य में होने वाला विस्तार है। मंत्रालय की योजना इस कॉरिडोर को सिलीगुड़ी से आगे गुवाहाटी तक ले जाने की है।

देश के विकास की नींव रखने वाला बजट : कौशिक

हरिद्वार। शहर विधायक मदन कौशिक ने कहा है कि आम बजट देश के विकास का बजट है। युवा, महिला, किसान, श्रमिक, व्यापारी, शिक्षा और स्वास्थ्य, हर क्षेत्र का समग्र रूप से ध्यान रखा गया है। यह बजट भारत को आगे बढ़ाने वाला साबित होगा। रविवार को आम बजट को लेकर व्यापारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच उत्साह देखने को मिला। शहर व्यापार मंडल मध्य हरिद्वार के अध्यक्ष मृदुल कौशिक के संयोजन में इसका सीधा प्रसारण देखा गया, जिसमें शहर विधायक समेत तमाम नेता भी पहुंचे। भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने कहा कि यह बजट देश की उन्नति में मील का पत्थर साबित होगा।

चुनाव आयोग से मिली ममता

एसआईआर पर बोलीं-बंगाल को बनाया जा रहा निशाना....

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दिल्ली के चुनाव आयोग कार्यालय से बाहर आते ही विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि वह इस पूरे मामले से बहुत दुखी हैं। ममता ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने बंगाल को विशेष रूप से निशाना बनाया है और 58 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए, जबकि उन्हें अपनी बात रखने का मौका नहीं दिया गया। ममता बनर्जी ने कहा मैं लंबे समय से दिल्ली की राजनीति में शामिल हूं। मैं 4 बार मंत्री और 7 बार सांसद

रह चुकी हूं। मैंने कभी ऐसा अहंकारी और झूठ बोलने वाला चुनाव आयुक्त नहीं देखा। मैंने उन्हें कहा कि मैं आपके पद का सम्मान करती हूं क्योंकि किसी भी पद की स्थायित्व नहीं होती। एक दिन आपको जाना होगा। उनका कहना है कि लोकतंत्र में चुनाव एक त्योहार की तरह होने चाहिए, लेकिन इस तरह की कार्रवाई से चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठते हैं। उन्होंने यह भी सवाल किया कि बंगाल को क्यों निशाना बनाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने सही योजना के बिना राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया लागू की, जबकि चुनावी राज्यों को छोड़ देना चाहिए था। ममता ने कहा अगर एसआईआर करनी थी, तो पहले चुनाव से बंधे राज्यों को छोड़कर सही योजना के साथ करनी चाहिए थी। लेकिन ऐसा नहीं किया गया। असम में भाजपा की सरकार है, वहां एसआईआर नहीं की गई।

राहुल का सरकार पर वार-चीन के चार टैंक डोकलाम आ रहे थे...

राजनाथ बोले जिस किताब का आप जिक्र किया,वह अप्रकाशित

नई दिल्ली। एजेंसी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल नरवणे की किताब का उल्लेख किया, जिस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। स्पीकर ओम बिरला ने भी सदन की परंपरा और नियमों का उल्लेख करते हुए राहुल को आगाह किया कि लोकसभा में ऐसे किसी भी तथ्य का उल्लेख नहीं किया जा सकता, जिसका प्रकाशन नहीं हुआ है। राहुल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा ले रहे थे। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर आपत्ति जताई और कहा कि राहुल गांधी सदन को गुमराह ना करें। राहुल गांधी ने सदन में एक अप्रकाशित किताब के कोट्स का हवाला दिया, जो सदन के नियमों के खिलाफ है। जिस पर राहुल गांधी ने कहा कि उनका सोर्स भरोसेमंद है और इसमें एक पूर्व आर्मी जनरल के अप्रकाशित संस्मरणों के कोट्स शामिल हैं। इस दौरान स्पीकर ओम बिरला ने राहुल गांधी से नियमों का पालन करने की अपील की। ओम बिरला ने कहा कि नियमों और परंपरा से संसद चलना चाहिए। दरअसल, लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर राहुल गांधी के भाषण के शुरू होते ही हंगामा हो गया। राहुल गांधी ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा कि पूर्व आर्मी चीफ एमएम नरवणे की किताब है। आप सब ध्यान से सुनें कि मैं क्या पढ़ रहा हूं?

इससे पता चल जाएगा कि कौन देशभक्त है और कौन नहीं। बस इसी के साथ संसद में जोरदार हंगामा शुरू हो गया। राहुल गांधी ने अपने भाषण में फिर आगे कहा कि चार चीनी टैंक डोकलाम में भारत की धरती पर आ रहे थे। वो 100 मीटर ही दूर थे। राहुल के बस इतना बोलते ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आपत्ति जताई और अपनी सीट से खड़े होकर हस्तक्षेप किया और बोले कि अप्रकाशित पुस्तक का सदन में जिक्र नहीं किया जाता। उन्होंने अपने बयान में कहा कि राहुल गांधी सदन को गुमराह कर रहे हैं। वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने भी आपत्ति जताई और कहा कि किसी भी अप्रकाशित किताब का संसद में हवाला नहीं दिया सकता। लोकसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, 'मैं चाहता हूं कि लोकसभा में विपक्ष के नेता (राहुल गांधी) वह किताब सदन के सामने पेश करें, जिससे वह कोट कर रहे हैं, क्योंकि जिस किताब का वह जिक्र कर रहे हैं, वह पब्लिश नहीं हुई है। इसके बाद चीन के संदर्भ में बोल रहे राहुल गांधी के समर्थन में बोलते हुए सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा, 'चीन से जुड़ा मामला बहुत संवेदनशील है। लोकसभा में विपक्ष के नेता को बोलने की अनुमति दी जानी चाहिए।' इस बीच लोकसभा में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री ने कहा, 'स्पीकर ने फैसला दिया है कि मैगजीन या अखबारों के आर्टिकल को सदन में कोट नहीं किया जा सकता।

पता नहीं क्यों डरे हुए हैं-राहुल गांधी

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा है। मैं कहना चाहता हूं कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। यह पूर्व सेना प्रमुख की रक्षा मंत्री और प्रधानमंत्री के साथ बातचीत के बारे में है। मैं इस बारे में बोलना चाहता हूं कि मोदी जी ने उनसे क्या कहा और राजनाथ जी ने क्या आदेश दिए। मुझे नहीं पता कि वे इतने डरे हुए क्यों हैं? उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार को डर है कि अगर जनरल नरवणे की किताब की बातें सामने आईं तो देश को नरेंद्र मोदी और राजनाथ सिंह के बारे में सच्चाई पता चल जाएगी और यह भी पता चलेगा कि जब चीन हमारी जमीन पर कब्जा कर रहा था उस वक्त '56 इंच की छाती' को क्या हुआ था सोमवार को राहुल गांधी ने सदन में पूर्व सेना प्रमुख के संस्मरण के ड्राफ्ट के अंशों का हवाला देकर प्रधानमंत्री मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को निशाना बनाने की कोशिश की।

CMYK

2047 के विकसित भारत के निर्माण में छत्तीसगढ़ की बिजली बनेगी सबसे बड़ी ताकत – विधायक ललित चन्द्राकर

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के दौरान दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण, ललित चन्द्राकर ने प्रदेश की ऊर्जा शक्ति को राष्ट्र निर्माण का आधार बताया। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल)दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत संचारण-संधारण संभाग दुर्ग द्वारा सीएसआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित भव्य समारोह में उन्होंने विभाग की उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं को रेखांकित किया।

मुख्य अतिथि की आसंदी से जनसमुदाय को संबोधित करते हुए श्री चन्द्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ बिजली के मामले में सरप्लस राज्य है, जो हमारी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में देश का सबसे बड़ा निवेश छत्तीसगढ़ में आएगा क्योंकि यहाँ पर्याप्त बिजली उपलब्ध है। जब भारत 2047 में विकसित राष्ट्र बनेगा, तब उसमें छत्तीसगढ़ की बिजली का योगदान सर्वोपरि होगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील किया कि वे अब ग्रीन एनर्जी की ओर कदम बढ़ाएं ताकि विकास के साथ पर्यावरण भी सुरक्षित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र साहू ने की। इस अवसर पर विभाग के प्रति समर्पित सेवा देने वाले रिटायर्ड अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही, समय पर बिजली बिल भुगतान और ऊर्जा संरक्षण करने वाले आदर्श घरेलू, कृषि और बीपीएल श्रेणी के उपभोक्ताओं तथा सर्वप्रथम सौर ऊर्जा अपनाने वाले उपभोक्ताओं को प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया।

समारोह स्थल पर बिजली विभाग द्वारा विशेष स्टाल और प्रोजेक्टर के माध्यम से पीएम सूर्य घर योजना एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। उपभोक्ताओं को बिजली की बचत और सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूक किया गया।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य प्रिया साहू,आशा विक्की मिश्रा, शीतला ठाकुर एवं विभिन्न सरपंचगण उपस्थित थे। विभागीय अधिकारियों में अधीक्षण अभियंता दुर्ग वृत्त आर. के. मिश्रा, कार्यपालन अभियंता संचारण-संधारण संभाग दुर्ग छगन शर्मा, सहायक अभियंता अविनाश दुबे एवं श्रीकांत बड़गैया सहित बड़ी संख्या में सहायक व कनिष्ठ अभियंता और कर्मचारी सक्रिय सहभागिता निभाई।

राज्य शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य सुगमता एवं सफलतापूर्वक जारी हो रहा

दल्लीराजहरा। राज्य शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी योजना के अंतर्गत संपूर्ण राज्य में किए गए चाक-चौबंद व्यवस्था के फलस्वरूप पूरे राज्य में धान खरीदी का कार्य सुगमता एवं सफलतापूर्वक जारी हो रहा है। राज्य शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना से राज्य के शत प्रतिशत लाभ सुनिश्चित कराने हेतु सभी धान खरीदी केन्द्रों में किए गए बेहतरीन व्यवस्था के फलस्वरूप किसान धान खरीदी केन्द्रों में आसानी से अपनी धान की बिक्री कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मौजूदा खरीफ विपणन वर्ष में राज्य में अब तक 23 लाख 48 हजार किसानों अपने धान की बिक्री कर चुके हैं। इसके साथ ही धान की बिक्री करने वाले किसानों के खाते में 29 हजार 597 करोड़ रूपये के राशि का अंतरण भी किया जा चुका है। धान बिक्री के उपरांत 48 घण्टे के भीतर किसानों के खाते में राशि का अंतरण भी सुनिश्चित किया जा रहा है। आने वाले 03 दिवसों में 01 लाख 50 हजार किसानों के धान खरीदी केन्द्रों में पहुँचकर अपनी धान की बिक्री करने की संभावना है। शासन द्वारा किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आगामी 03 दिनों में 70 हजार से भी अधिक टोकन जारी किया जाएगा। इसके साथ ही प्रतिदिन 22 हजार टोकन भी जारी किया जा रहा है और राज्य में प्रतिदिन 03 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा रही है। जिला खाद्य अधिकारी तुलसी ठाकुर ने बताया कि 27 जनवरी तक बालोद जिले के 01 लाख 43 हजार 227 किसानों के द्वारा 67 लाख 80 हजार 381 क्विंटल से अधिक की धान की बिक्री कर ली गई है। इस तरह से जिले में 1609 करोड़ 76 लाख 74 हजार 246 रूपये से अधिक की राशि की धान खरीदी की गई है।

ग्यारह दिवसीय श्री हनुमत महायज्ञ का हुआ समापन, यज्ञ समिति ने जताया सभी सहयोगियों आगन्तुकों का आभार

बलौदाबाजार। जिला मुख्यालय के यज्ञ स्थल दशहरा मैदान मे 19 जनवरी से 29 जनवरी तक आयोजित ग्यारह दिवसीय श्री हनुमत महायज्ञ का पूर्णाहूति कलश विसर्जन एवं महाप्रसादी वितरण के साथ समापन हो गया। लगातार ग्यारह दिनों तक चले इस धार्मिक अनुष्ठान मे स्थानीय कलाकारों के साथ अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों ने भी अपनी कला का प्रदर्शन किया। 16 वेदपाठी आचार्यो की देखरेख मे यज्ञ के यजमान उमा दिनेश शर्मा सविता शिव प्रकाश तिवारी द्वारा ग्यारह दिनों तक संपूर्ण विधि विधान व्रत नियम पालन करते हुए विश्व कल्याण और क्षेत्र की सुख समृद्धि शांति के लिए किए गए इस महायज्ञ का हजारों धर्मानुरागियों ने पुण्य लाभ ग्रहण किया। यह महायज्ञ आयोजन का पांचवा वर्ष है बिना किसी बाधा के यह अनुष्ठान प्रतिवर्ष संपन्न हो इसके लिए यज्ञ स्थल मे पक्के यज्ञ शाला का निर्माण समिति के द्वारा बाउंड्रीवाल एवं दो कमरों का निर्माण

तत्कालीन नगरीय प्रशासन मंत्री शिव डहरिया की अनुशंसा पर नगरपालिका द्वारा तथा इस वर्ष केबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा द्वारा प्रवचन कथा मंचीय कार्यक्रम के लिए सभागार का निर्माण यज्ञ समिति के सदस्यों की मांग पर करवाया गया है।

धर्म रक्षार्थ यज्ञ एवं जनसेवा समिति बलौदाबाजार के अध्यक्ष विवेक आनंद तिवारी ने समिति के सक्रिय सदस्यों उपाध्यक्ष मोतीलाल वर्मा सचिव सपन केशरवानी कोषाध्यक्ष लक्ष्मेंद्र अग्रवाल संरक्षक अशोक कुमार तिवारी पं.द्वारिका प्रसाद शास्त्री श्यामसुंदर केशरवानी विद्याभूषण शुक्ला महेंद्र वर्मा प्यारेलाल सेन सुरेंद्र जायसवाल प्रेम नारायण केशरवानी प्रमोद शुक्ला खोडसराम कश्यप सुंदर साहू अशोक जैन प्रमोद शर्मा वरूमल हरिरमानी राजनारायण केशरवानी के एस तिवारी टेशुलाल धुरंधर सहसचिव विनय गुप्ता आशीष मिश्रा सहकोषाध्यक्ष संजय नारायण केशरवानी संयोजक शिवप्रकाश तिवारी नवनीत अग्रवाल हेमंत वर्मा अमित केशरवानी अभिषेक तिवारी मिकी वासुदेव ठाकुर आयुष बरनवाल रवि यादव पीयूष मिश्रा राजेश केशरवानी गजेंद्र देवांगन कार्यकारिणी सदस्य दीपकुमार बाजपेयी महेश ठाकुर नीलम दीक्षित कृष्णानंद अग्रवाल उमेश यादव गार्गीशंकर बाजपेयी अक्षर अग्रवाल योगेश शुक्ला पवन जायसवाल अरविंद मिश्रा सेवकराम धीवर वीरेंद्र शर्मा अशोक गुप्ता राजेश साहू नगर की मातृशक्ति एवं नन्हे धर्मानुरागी कार्यकर्ताओं जिन्होनें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपनी सेवाएं दीं।

उन सभी के साथ बलौदाबाजार

मानवता का महामंत्रः इंसान बाद में, हम सबसे पहले 'जीव' हैं : पट्टाचार्य विशुद्ध सागर जी

बलौदाबाजार। रिसदा रोड पर आयोजित जैन समाज के पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव में आस्था, भक्ति और संस्कारों का अनूठा संगम देखने को मिला। नवनिर्मित भव्य जैन मंदिर के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित इस महोत्सव में जन सैलाब उमड़ पड़ा है। जैन समाज के प्रचार प्रसार मंत्री अनीश जैन ने बताया कि कार्यक्रम के शुरुआती दिनों में गर्भ कल्याणक और जन्म कल्याणक के पश्चात अब तप कल्याणक पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है।

तप और केवल ज्ञान का जीवंत चित्रण महोत्सव के दौरान आदिनाथ भगवान की कठिन तपस्या और उसके पश्चात केवल ज्ञान प्राप्ति के दिव्य दृश्यों का मंचन किया गया, जिसे देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। भक्ति की इस धारा में संयम काल की महा आरती का सौभाग्य स्व. नेमीचंद छाबड़ा के परिवार (दिनेश जैन) को प्राप्त हुआ। वहीं, शांति धारा की बोली का सौभाग्य

तुषार पाटनी एवं कन्हैयालाल सेठी को प्राप्त हुआ। भगवान के बाल सखाओं के मनमोहक दृश्यों (बाल सभा) की बोली का सौभाग्य नरेंद्र शोभा जैन को और पद प्रक्षालन का पुण्य लाभ अखिलेश-मधु पाटनी परिवार को मिला।

आचार्य का मानवतावादी संदेश- पट्टाचार्य 108 विशुद्ध सागर महाराज ने अपने ओजस्वी प्रवचन में मानवता का सूत्र देते हुए कहाः हमें धर्म, जाति, संप्रदाय और अमीर-गरीब की संकीर्णता से ऊपर उठना चाहिए। सदैव यह याद रखें कि हम सबसे पहले एक जीव हैं। जीव मात्र के प्रति दया और करुणा ही धर्म का वास्तविक आधार है।

दिग्गजों ने टेका मत्था- इस आध्यात्मिक उत्सव में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, संगठन महामंत्री अजय जामवाल, उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा और जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल सहित कई पद अधिकारी ने शिरकत की। नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने सामाजिक सेवा की परंपरा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और संस्कारों के संवाहक होते हैं।

सुचारू प्रबंधन और गरिमामयी उपस्थिति- पंडित धर्मचंद शास्त्री के कुशल विधि-विधान से पूरा कार्यक्रम संपन्न हो रहा है। जैन समाज अध्यक्ष संजय जैन एवं सचिव अमित जैन ने अतिथियों का सम्मान किया।

कंवर पैकरा समाज का सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित किया गया

कुरूद। पुरानी मंडी परिसर में आदिवासी कंवर पैंकरा समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होकर कंवर समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों को बेहतरीन आयोजन के लिए बधाई दिया, कुरूद पाली धमतरी जिला अंतर्गत कंवर पैकरा समाज के सम्मेलन से जुड़े सदस्यों के द्वारा यह आयोजन कंवर समाज के लिए एकता और अखंडता के लिए मिशाल पेश किये, समाज द्वारा विभिन्न समाजहित मे विभिन्न निर्णय लिए गये, इस अवसर पर समाजिक पदाधिकारियों-सदस्यों को आश्वस्त किया कि हमारे छत्तीसगढ़ मे विष्णुदेव के सुशासन सरकार प्रदेश के मुखिया होने के साथ साथ आदिवासी समाज के गौरव है, हमारे पार्टी के लिए भी गौरव है इस भाव को लेकर कुरूद नगर और क्षेत्र के नागरिकों को मा. अजय चन्द्राकर के संरक्षण और मार्गदर्शन मे समाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक, शैक्षणिक कार्यो सहित विभिन्न क्षेत्रों में भी चहुंओर विकास किया जा रहा है, आदिवासी समाज, कंवर समाज पुरे देश में सीधेपन के लिए जाने जाते है, आप लोगो के दर्शन करने का सौभाग्य मिला, आप सबने स्वागत-वंदन किए इसके लिए कुरूद नगर के जनता की ओर से कृतज्ञता व्यक्त करती हूं !

विकासखण्ड स्तरीय स्वास्थ्य पंचायत सम्मेलन का हुआ आयोजन मितानिनों ने नगर में निकाली रैली

देवभोग। ब्लॉक मुख्यालय देवभोग में विकासखंड स्तरीय पंचायत स्वास्थ्य सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें ब्लाक भर के मितानिन उपस्थित रहे कार्यक्रम में जिला पंचायत गरियाबंद के जिला अध्यक्ष गौरी शंकर कश्यप जिला पंचायत सदस्य नेहा सिंघल लोकेश्वरी नेताम, नगर पंचायत के उपाध्यक्ष सुशील यादव पार्षद दुष्यंत दौरीया व विभागीय अधिकारी मौजूद थे कार्यकम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर किया गया मितानिनो के द्वारा नगर रैली निकालकर जानकारी स्वास्थ्य स्वज्छता संबंधी जानकारी दी गई, बता दे कि ब्लॉक भर में मितानिनों की कुल 18 सेक्टर डिवाइड है जिसमें 215 मितानिन कार्यरत है जो प्रत्येक महीना अपने अपने ग्राम में मीटिंग करते है, ग्राम में समस्या की सूची बनाकर संबंधित विभाग को समस्या

निराकारण हेतु आवेदन पत्र दिया जाता है, साथ ही ग्राम स्वास्थ्य स्वज्छता समिति का गठन किया जाता है, वर्ष में एक बार यह कार्यक्रम किया जाता है ताकि ग्राम की समस्या निराकारण संबंधी जानकारी पारदर्शी हो इस बार के कार्यक्रम में लगभग ब्लॉक भर से 244 समस्या बताया गया समस्या निराकारण का विभागीय अधिकारी ने जल्द के जल्द निराकारण हेतु कहा गया इस कार्यक्रम में जिला समन्वयक चंद्रकांता साहू, स्वास्थ्य पंचायत समन्यवक रजनीकांता सूर्यवंशी, ब्लॉक समन्वयक अनुछाया दास, स्वास्थ्य पंचायत समन्यवक पार्वती नागेश मितानीन प्रशिक्षक मैनपुर लक्ष्मी मोंगराज ब्लॉक समन्वयक देवकी सोरी, मनिता यदु, गीता नागेश, लवणी सेन जेमनी हेमलता पांडे, लता बाई श्यामाबाई व समस्त मितानिन उपस्थित थे।

पुष्पा निषाद की पंडवानी टीम बुंदेलखंड रवाना

भाटापारा। ग्राम कौशलपुर (भाटापारा) की होनहार एवं सुप्रसिद्ध पंडवानी लोक गायिका पुष्पा निषाद का चयन राष्ट्रीय ग्रामीणांचल रामायण मेला, बुंदेलखंड के लिए किया गया है। यह 23वाँ पाँच दिवसीय महोत्सव 01 से 05 फरवरी 2026 तक ग्राम खेरिया अंतर्रा, जिला बांदा (उत्तर प्रदेश) में आयोजित होगा। महोत्सव में पुष्पा निषाद अपनी छत्तीसगढ़ी शैली पर आधारित लोक भजन एवं पंडवानी की प्रस्तुति देंगी। छत्तीसगढ़ की ओर से उनका चयन अंतरराष्ट्रीय पार्श्व गायक, साहित्यकार एवं चयनकर्ता अधिकारी डॉ. ललित सिंह ठाकुर द्वारा घोषित किया गया। बुंदेलखंड में कार्यक्रम प्रस्तुति हेतु पुष्पा निषाद एवं डॉ. ललित सिंह ठाकुर की टीम ने भाटापारा नगर स्थित गायत्री मंदिर में पूजा-अर्चना कर दोपहर 12 बजे प्रस्थान किया। उल्लेखनीय है कि हाल ही में राष्ट्रीय रामायण मेला, भाटापारा का आयोजन 14 से 18 जनवरी 2026 तक हुआ

था, जिसमें बुंदेलखंड की आयोजन समिति भी उपस्थित रही। पुष्पा निषाद की प्रभावशाली प्रस्तुति से प्रभावित होकर बुंदेलखंड आयोजन समिति ने डॉ. ललित सिंह ठाकुर से संपर्क कर उन्हें बुंदेलखंड महोत्सव में आमंत्रित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे उन्होंने सर्वसम्मति से स्वीकार करते हुए चयन समिति को अवगत कराया। तत्पश्चात चयनकर्ता डॉ. ललित सिंह ठाकुर ने इस संबंध में आयोजित समारोह के निर्देशक एवं राष्ट्रीय संयोजक, सुप्रसिद्ध अधिवक्ता विमल कांत तिवारी को सूचना प्रेषित की। इस प्रकार छत्तीसगढ़ प्रदेश से ग्राम कौशलपुर की उभरती लोक पंडवानी गायिका पुष्पा निषाद को बुंदेलखंड महोत्सव 2026 में शामिल किया गया, जिससे पूरे प्रदेश में हर्ष एवं गौरव का वातावरण है। इस उपलब्धि पर ग्राम पंचायत कौशलपुर में खुशी का माहौल है और पुष्पा निषाद की भूरि-भूरि प्रशंसा की जा रही है। इस अवसर पर राष्ट्रीय रामायण मेला के अध्यक्ष बिहारी लाल अग्रवाल, महासचिव/सलाहकार सत्यनारायण (सत्तू) पटेल, सलाहकार अधिवक्ता मोहनलाल केसरवानी सहित टीम के कलाकार उपस्थित रहे।

प्रियंका पाटले को पीएच.डी. की उपाधि, शैक्षणिक जगत में हर्ष

भाटापारा। शैक्षणिक जगत के लिए गर्व का विषय है कि पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा प्रियंका पाटले को उनके शोध कार्य की सफल पूर्णता एवं अंतिम मौखिक परीक्षा (फाइनल वाइवा) उपरांत पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। उनका शोध विषय सब्जेक्टिविटी इन द सिलेक्टेड नोवेल्स ऑफ महा श्वेता देवी एंड जयश्री मिश्रा रहा, जिसे साहित्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण एवं समकालीन अध्ययन माना जा रहा है। उनके शोध कार्य का मार्गदर्शन शोध निर्देशिका डॉ. कल्पना पॉल द्वारा किया गया।

शोध वाइवा में बाह्य परीक्षक के रूप में डॉ. मनीष कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे, जिन्होंने शोधार्थी के विषय ज्ञान, शोध पद्धति एवं निष्कर्षों की सराहना की। अपने शोध के दौरान प्रियंका पाटले ने विशेष रूप

से महिलाओं की विषयात्मक चेतना, संघर्ष एवं आत्मपहचान पर केंद्रित अध्ययन प्रस्तुत किया है। यह उपलब्धि स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय, मोपका के लिए भी गौरव का विषय है। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अभिलाषा सैनी सहित समस्त स्टाफने डॉ. प्रियंका पाटले को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस उपलब्धि से महाविद्यालय, सहकर्मियों एवं परिजनों में हर्ष का वातावरण है।

संगठन मंत्री अजय जामवाल, केबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा, एवम सांसद बृजमोहन अग्रवाल, सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने मुनि से आशीर्वाद प्राप्त किये, जैन समाज ने किया सभी का सम्मान

बलौदाबाजार जैन समाज द्वारा पंचकल्याणक महा महोत्सव का आयोजन

बलौदाबाजार। बलौदा बाजार जैन समाज के के द्वारा नव निर्माण मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का भव्य आयोजन नगर में किया जा रहा है, इस आयोजन की माह भर पूर्व से जैन समाज के लोगों ने भव्य तैयारी कर रखी थी, जगह-जगह बनाए गए भव्य स्वागत द्वार व चौक चौराहों को रंगोली से सुसज्जित किये जाने के साथ ही समाज के द्वारा मुनि महाराज के स्वागत में नगर को सुसज्जित किया गया था।उक्त कार्यक्रम पावन सानिध्य परम पूज्य चर्या शिरोमणि पट्टाचार्य 108 विशुद्ध सागर महाराज, मंगल मार्गदर्शन श्रमण मुनि सुयश सागर महाराज स-संघ पधारे हैं ,प्रति दिवस रिसदा रोड स्थित विशाल पंडाल में आचार्य विशुद्ध सागर महाराज का पावन प्रवचन का आयोजन प्रातः एवं दोपहर में किया जाता है, जिसमें भारी संख्या में नगर वासी एवं सर्व समाज के लोग उपस्थित हो कर प्रवचन का श्रवण करते हैं, नगर में यह भव्य और प्रथम आयोजन जिस मे जैन संतो के आगमन के साथ ही जैन समाज के द्वारा

किया जा रहा हैं ,जिसमें जैन संतों का आगमन के साथ ही भगवान के गर्भकल्याणक, जन्म कल्याणक, तप कल्याणक, ज्ञान कल्याणक, व मोक्ष कल्याणक, कुल पांच अर्थात पंच कल्याणक एवं प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जैन समाज के द्वारा नवनिर्मित जैन मंदिर के शुभ शुभारंभ पर पंच कल्याणक महोत्सव में भगवान के गर्भ में आते ही माता को 16 सपने दिखाई देते हैं। जिसमें हाथी , बैल, लक्ष्मी पुष्पमाला,चंद्रमा,सूर्य दरवाजा, कलश, सरोवर ,समुद्र ,विमान रतनो का ढेर एवं स्वर्ण सिंहासन आदि जैसे मंगल प्रतीक सम्मिलित रहते हैं, यह स्वप्न भावी तीर्थंकर के जन्म यश वैभव धर्म प्रभावों एवं विश्व कल्याण के सूचक माने जाते हैं, 16 सपनों का भावपूर्ण मंचन एवं प्रदर्शन किया जाता है जिसमें संपूर्ण वातावरण भक्तिमय होता है कार्यक्रम के समय मुनि महाराज का प्रवचन शाम को 4:00 बजे प्रारंभ होता है ।

आयोजन के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के संगठन प्रभारी अजय जामवाल व केबिनेट मंत्री माननीय टंक राम वर्मा छत्तीसगढ़ शासन उपस्थित हुए व आशीर्वाद प्राप्त किया, साथ ही दूसरे दिवस के आयोजन में रायपुर लोकसभा के माननीय सांसद बृजमोहन अग्रवाल, मुख्य रूप से उपथित हुए, व मुनि के आशीर्वाद पश्चात मन्दिर दर्शन किया गया, इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जैन व समाज के अध्यक्ष संजय जैन, सचिव अमित जैन सहित जैन समाज आयोजन समिति के द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। नगर के अन्य जनप्रतिनिधि जिला पंचायत के अध्यक्ष आकांक्षा गोलू जायसवाल, जिलाध्यक्ष आनन्द यादव, विजय केशरवानी, नगर पालिका के उपाध्यक्ष जितेंद्र महाले, सभापति पार्षद हरजीत सिंह सलूजा, जितेंद्र डड़सेना, सतीश पटेल,शेखर गुप्ता, सुरेश घृतलहरे,श्रद्धा मनीष वर्मा, डिगेश्वरी रविन्द्र नामदेव, मंजू फेकर,पार्षद प्रतिनिधि शशिभूषण शुक्ला,सुभाष राव, नगरपंचायत पलारी के पूर्व अध्यक्ष यशवर्धन वर्मा, ने भी आचार्य से आशीर्वाद प्राप्त किया व जैन समाज ने सभी उपस्थित प्रमुखों को सम्मनित किया गया। नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जैन सहित सभी ने अन्य समाज के लोगो को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित हो कर पुण्य अर्जित करने की अपील की गई,कार्यक्रम स्थल पर समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, वहीं आम नागरिकों की भारी उपस्थिति से पूरे परिसर में भक्तिमय माहौल था नगर में निकाली गई शोभा यात्रा में माता-पिता, इंद्र इंद्राणी कुबेर रथ में सवार होकर पूरे नगर का भ्रमण किया, जिसमे मातापिता के रूप में रथ पर इंद्रकुमार विमलादेवी जैन,व सौधर्म इंद्र रथ पर दीनेश ममता जैन, सनद कुमार इंद्र रथ पर महेन्द्र मीना जैन, ईशान इंद्र रथ पर नरेंद्र शोभा जैन,ईशान इंद्र रथ पर किशोर अनिता सिंघाई,महायज्ञ नायक प्रदीप चन्द्र प्रीति पाटनी, यज्ञ नायक नितिन जैन रंजना जैन, माहेन्द्र इंद्र संजय डिम्पल जैन, सहित अन्य रथ पर पृथक पृथक भूमिका में समाज के प्रमुख विराजमान थे, इस अवसर पर समाज के लोग दिलीप जैन, अनिल जैन, सुधीर जैन, अजित जैन, अमित जैन, सुमित जैन, ऋषभ जैन, प्रशांत जैन, अजेश जैन जितेंद्र जैन, मितेन्द्र जैन निक्की जैन, सहित अन्य भारी संख्या में उपस्थित हो कर शोभायात्रा का नगर भ्रमण कराया गया व रोमी साहू एवम पार्षद शेखर गुप्ता सहित अन्य लोगो ने जगह जगह पुष्पवर्षा कर रथ में विराजमान देवगण व समाज के लोगो का सम्मान किया।

महिला वित्तमंत्री ने समझी महिलाओं की जरूरत यह ऐतिहासिक बजट : प्रज्ञा निर्वाणी

बेमेतरा । भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी ने केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए कहा कि यह बजट नारी सशक्तिकरण, शिक्षा और आत्मनिर्भरता को समर्पित है। उन्होंने कहा कि इस बार केंद्र सरकार ने महिलाओं के लिए 5.08 लाख करोड़ का जेंडर बजट आवंटित किया है, जो सिर्फ महिलाओं के विकास हेतु मजबूत संकल्प को दर्शाता है। बजट में हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल निर्माण, महिला उद्यमिता हेतु लखपति दीदी योजना और शी मार्क जैसी पहल महिलाओं को आगे बढ़ाएंगी,महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के लिए लगभग 28,183 करोड़ का प्रावधान महिला कल्याण योजनाओं को गति देगा। प्रज्ञा निर्वाणी ने कहा कि यह बजट माताओं-बहनों के सम्मान और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में निर्णायक कदम है।

संक्षिप्त समाचार

चाकू की नोकपर सफाई कर्मचारी से लूटपाट, दो गिरफ्तार

रायपुर। रायगढ़ के रेलवे स्टेशन सक्ती में सफाई कर्मचारी से चाकू दिखाकर शराब के पैसे मांगने वाले दो आरोपियों को जीआरपी ने गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता अजय डहरिया ने बताया कि 27 जनवरी को वह और उनके साथी पुरूषोत्तम शांडिल्य प्लेटफार्म 2 में सफाई का काम कर रहे थे। इसी दौरान भरत दास महत और विक्की यादव ने उनसे शराब के पैसे मांगे। पैसे देने से इनकार करने पर विक्की यादव ने चाकू लहराकर दोनों कर्मचारियों को डराया और अजय का मोबाइल छीनकर फरार हो गए। अजय की शिकायत पर मामला दर्ज कर पुलिस ने विवेचना शुरू की। 29 जनवरी को आरोपियों की तलाश के दौरान जीआरपी ने दोनों को रेलवे स्टेशन सक्ती से पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 26 वर्षीय भरत दास महत और 20 वर्षीय विक्की यादव के रूप में हुई। जांच में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल किया। उनके कब्जे से एक मोबाइल फोन और स्टील का बटन वाला चाकू बरामद किया गया।

एजेंसी दिलाने के नाम पर सराफा कारोबारी से 28 लाख की ठगी

रायपुर। दोपहिया ई वाहन की एजेंसी दिलाने के नाम पर शहर के सराफा कारोबारी से 28 लाख रुपए ठग लिए। यह वसूली छमाह के दौरान की और 27 माह से वापस न करने पर पीड़ित ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई। कोतवाली पुलिस के अनुसार के के ज्वेलर्स बुढ़ापारा का संचालक रूपेश सोनी ने ढाई वर्ष पहले मई 23 में ई बाइक की एजेंसी लेने की योजना बनाई थी। उसने पंकज कुमार जैन और सागर प्रकाश सिक्के से संपर्क किया। दोनों ने सहमति दी और सुरक्षा निधि के नाम पर मई से अक्टूबर 23 के बीच अलग अलग डेट पर 20 लाख रुपए रूपेश से लिए।और अब तक एजेंसी नहीं दिलाई। न रकम वापस कर रहे। रूपेश ने कल रात कोतवाली में धारा 420,34 के तहत मामला दर्ज कराया।

हिस्ट्रीशीटर की हत्या, जमानत पर छूटा था जेल से

रायपुर। हिस्ट्रीशीटर की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। निगरानी बदमाश एक सप्ताह पहले ही जेल से बाहर आया था। वह अपने युवक पर जानलेवा हमले के पुराने मामले में समझौता करने के लिए दबाव बना रहा था। इसी पुरानी रंजिश के चलते युवक और उसके साथियों ने मिलकर हिस्ट्रीशीटर पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर मार डाला। वारदात के बाद आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने थाने का घेराव कर दिया। जिससे देर रात तक तनाव की स्थिति बनी रही। जानकारी के मुताबिक, मृतक युवक का नाम शानू उर्फ अमन हुसैन (25) है। जो हटरी चौक स्थित लाइफ केयर अस्पताल के पास रहता था। वह विकास तिवारी पर पुराने मामले में समझौता करने के लिए दबाव बना रहा था। जिसके चलते वारदात को अंजाम दिया गया। हालांकि, इस मामले में मुख्य आरोपी समेत 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

ऑनलाइन ठगी की रकम निकालने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। ऑनलाइन ठगी के बढ़ते मामलों के बीच दुर्ग पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। जेना स्मॉल फाइनेंस बैंक, सुपेला में खाता खुलवाकर ऑनलाइन ठगी की रकम आहरण करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खाते में 12 लाख 78 हजार 997 रुपए की अवैध धनराशि जमा होने का खुलासा हुआ है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मामले की जानकारी गृह मंत्रालय द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल के माध्यम से प्राप्त हुई थी। पोर्टल से पुलिस को एक म्यूल अकाउंट से जुड़े इन्कालेजमेंट की सूचना मिली थी। जांच में सामने आया कि यह खाता जेना स्मॉल फाइनेंस बैंक, सुपेला में खोला गया है। पुलिस जांच में खाता धारक की पहचान मोहम्मद गुलाम अंसारी (36 वर्ष), निवासी वैशाली नगर के रूप में हुई। आरोपी ने बैंक में खाता खुलवाकर ऑनलाइन ठगी की रकम प्राप्त करने और निकालने के लिए उसका इस्तेमाल किया। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने 16 अक्टूबर 2024 से लगातार अपने खाते में ऑनलाइन धोखाधड़ी से प्राप्त रकम जमा करवाई। पुलिस के अनुसार आरोपी ने छलपूर्वक और बेईमानी से अवैध धनलाभ अर्जित करते हुए अपने खाते में कुल 12,78,997 की रकम जमा करवाई। यह रकम विभिन्न ऑनलाइन ठगी मामलों से संबंधित बताई जा रही है। आरोपी इस अवैध धन का उपयोग संपत्ति संवर्धन और निजी लाभ के लिए कर रहा था। सभी तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर थाना सुपेला में आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 158/2026 दर्ज किया गया। आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(2) और 318(4) के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। इसके बाद पुलिस ने मोहम्मद गुलाम अंसारी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। दुर्ग पुलिस का कहना है कि ऑनलाइन ठगी के मामलों में म्यूल अकाउंट का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया तीन दिवसीय सिरपुर महोत्सव का शुभारंभ

अंचल के विकास के लिए सिरपुर बैराज जल्द ही स्वीकृत होगी-साय

- सिरपुर को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन केंद्र बनाने की दिशा में सरकार प्रतिबद्ध मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर/ संवाददाता

अंचल के विकास के लिए सिरपुर बैराज जल्द ही स्वीकृत होगीअंचल के विकास के लिए सिरपुर बैराज जल्द ही स्वीकृत होगीअंचल के विकास के लिए सिरपुर बैराज जल्द ही स्वीकृत होगीअंचल के विकास के लिए सिरपुर बैराज जल्द ही स्वीकृत होगी सुप्रसिद्ध ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल सिरपुर में आयोजित तीन दिवसीय सिरपुर महोत्सव का भव्य शुभारंभ आज मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के करकमलों से हुआ। मुख्य मंच पर मुख्यमंत्री श्री साय ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उद्घाटन अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता खाद्य मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जिलेवासियों को माघी पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महानदी के तट पर स्थित श्री गंधेश्वर महादेव के आशीर्वाद से यह क्षेत्र निरंतर विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि सिरपुर केवल छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश की सांस्कृतिक पहचान है। मुख्यमंत्री ने बताया कि आज जिले को लगभग 200 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी गई है, जिससे सड़क, पुल, पेयजल , पर्यटन, पेयजल एवं अधोसंरचना के क्षेत्र में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि सरकार सिरपुर को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अंतर्गत आधुनिक सड़क, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, पर्यटक सुविधा केंद्र एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर का टूरिस्ट कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सिरपुर की ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किया जा रहा है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इस गौरवशाली विरासत से परिचित हो सकें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज यहां मलेशिया,कोरिया,जापान के बौद्ध विचारक पधारे है,उनका मै स्वागत करता हूं।उन्होंने कहा कि सिरपुर में सनातन,बौद्ध और जैन संस्कृति का विस्तार हुआ,यह संस्कृति का अदभुत संगम है।सिरपुर में पर्यटन की विकास की संभावनाओं को देखते हुए सरकार इसे विश्व धरोहरों में शामिल करने गंभीरता से प्रयास कर रही है। देश दुनिया में सिरपुर का नाम होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंचल के विकास के लिए सिरपुर बैराज की स्वीकृति भी जल्दी होगी। सिकसेर जलाशय से कोडार जलाशय में पानी लाने के लिए योजना पर शीघ्रता से कार्य जारी है।

पुलिस ने पकड़ो लाखों रूपये के गोगो पेपर व हुक्का पॉट.....

रायपुर/ संवाददाता

नशीले पदार्थों की बिक्री और उपयोग पर सख्त प्रतिबंध लगाने रायपुर पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान के तहत शहर की खम्हारडीह थाना पुलिस ने एक दुकान में छापेमारी कर करीब 2 लाख मूल्य के गोगो पेपर, हुक्का पॉट, स्मोकिंग पाइप, मेक पेपर एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन में प्रयुक्त होने वाले सामान जब्त किए है। बता दें कि राजधानी रायपुर के पुलिस कमिश्नर आईपीएस संजीव शुक्ला द्वारा पूर्व में जारी दंडाधिकारी आदेश के तहत गांजा, ड्रग्स, अफीम, चिट्टा सहित अन्य नशीले पदार्थों के सेवन में उपयोग होने वाले सामानों की बिक्री और उपयोग पर सख्त प्रतिबंध लगाया गया है। इसी आदेश के अनुपालन में डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (डीसीपी) आईपीएस मयंक गुर्जर के नेतृत्व में खम्हारडीह थाना पुलिस ने शनिवार को छापेमारी कर करीब 2 लाख मूल्य के गोगो पेपर, हुक्का पॉट, स्मोकिंग पाइप, मेक पेपर एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन में प्रयुक्त होने वाले सामान जब्त किए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार ये सामान युवाओं में नशे को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खुलेआम बेचे जा रहे थे, जो कमिश्नर द्वारा जारी आदेश का सीधा उल्लंघन है। कार्रवाई के दौरान संबंधित दुकानों और विक्रेताओं को चेतावनी दी गई है, वहीं आगे कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है। पुलिस का कहना है कि कमिश्नरी लागू होने के बाद शहर में कानून-व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जा रहा है। नशे से जुड़ी किसी भी गतिविधि, चाहे वह नशीले पदार्थों की बिक्री हो या उनके सेवन में उपयोग होने वाले उपकरणों की सप्लाई किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। रायपुर पुलिस ने आम नागरिकों और व्यापारियों से अपील की है कि वे दंडाधिकारी आदेश का पालन करें। यदि कहीं भी प्रतिबंधित सामग्री की बिक्री या उपयोग की जानकारी मिलती है, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

क्रिकेट सट्टा संचालित करने वाले गिरोह के 6 सदस्य पकड़े गये.....

रायपुर। संवाददाता

रायपुर पुलिस ने वर्ल्ड कप टी-ट्वेंटी क्रिकेट शुरू होने के ठीक पहले ऑनलाईन बैटिंग वेब-साईट से माध्यम से सट्टा संचालित करने वाले गिरोह के 6 सटोरियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी तीन कारों में बैठकर ऑनलाईन बैटिंग साइट की आईडी वितरण कर रहे थे। पुलिस ने अरोपियों के पास से लाखों रूपये नगदी समेत मोबाईल फोन तथा कार जब्त किया है।मिली जानकारी के अनुसार एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना मिली कि थाना गंज क्षेत्रांतर्गत नागोराव गली अण्डर ब्रीज के पास चारपहिया वाहनों में सवार कुछ व्यक्तियों द्वारा ऑन लाईन सट्टा संचालित किया जा रहा है। सूचना को पुलिस उपायुक्त (क्राईम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला एवं पुलिस उपायुक्त (सेंट्रल जोन) उमेश प्रसाद गुप्ता द्वारा गंभीरता से लेते हुए अपने अधीनस्थ अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त एवं प्रभारी को सूचना की तस्दीक कर तत्काल आरोपियों की पतासाजी कर वैधानिक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना गंज पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये चारपहिया वाहनों की पतासाजी करते हुये तीन अलग- अलग चारपहिया वाहनों को चिन्हांकित किया गया। तीनों वाहनों में कुल 6 व्यक्ति सवार थे, जिन्होंने पूछताछ में अपना नाम रखब देव पाहुजा, पीयूष जैन, जितेन्द्र कुमार कृपलानी उर्फ जित्तू, दीपक अग्रवाल, कमल राघवानी एवं सचिन जैन होना बताया। टीम के सदस्यों द्वाराक उनके मोबाईल फोन को चेक करने पर उनके द्वारा ऑनलाईन बैटिंग साईट्स जेएमडीबेट 777 डॉट कॉम एवं क्लासिक 777 डॉट कॉम के माध्यम से मास्टर आईडी बनाकर एवं आईडी वितरण कर ऑनलाईन क्रिकेट सट्टा खेलना/खिलाना पाया गया।

सुप्रसिद्ध ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल सिरपुर में आयोजित तीन दिवसीय सिरपुर महोत्सव का भव्य शुभारंभ किया गया

विकसित भारत 2047 की दिशा में ऐतिहासिक बजट

किसान,गांव और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव-शर्मा

- सस्ती खाद, बढ़ा कृषि बजट और फसल विविधीकरण से किसानों को सीधी राहत

रायपुर/ संवाददाता

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक, अभूतपूर्व और विकसित भारत की दिशा में निर्णायक बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट गांव, गरीब, किसान, महिला और युवा देश की प्राथमिक आवश्यकताओं को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई मजबूती देता है। श्री शर्मा ने कहा कि किसानों के हित में बड़ा उर्वरक सब्सिडी का प्रावधान खेती की लागत घटाने वाला बड़ा कदम है। इससे सस्ता खाद-उर्वरक उपलब्ध होगा, उत्पादन लागत कम होगी और किसानों को सीधी राहत मिलेगी। साथ ही कृषि बजट को में समुचित प्रावधान किए जाने से कृषि अनुसंधान, नवाचार और आधुनिक तकनीकों को गति मिलेगी। ग्रामीण विकास पर 21 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि का उल्लेख करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि यह बजट गांवों के समग्र विकास का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है।

कांग्रेस विधायक कवासी लखमा से मिली पीसीसी चीफ दीपक बैज.....

रायपुर। आबकारी घोटाला में सेंट्रल जेल में बंद सुकमा के कांग्रेस विधायक कवासी लखमा से मिलने प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज पहुंचे। यहां पर उन्होंने उनके स्वास्थ्य सहित अन्य विषयों पर कुशल क्षेम पूछा। सेंट्रल जेल रायपुर में मुलाकात करने के पश्चात पत्रकारों को बताया कि आबकारी घोटाला के मामले में कवासी लखमा जेल के अंदर हैं, उन्होंने जमानत के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सुप्रीम कोर्ट में इसको लेकर तीन फरवरी को सुनवाई होगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि उन्हें जल्द ही जमानत मिल जाएगी। ज्ञात रहे आबकारी घोटाला मामले में सौम्य चौरसिया, अनिल टुटेजा, निरंजन दास को भी गिरफ्तार किया गया है। ईडी के पश्चात ईओडब्ल्यू द्वारा चार्ज शीट प्रस्तुति की गई, जिसका सुनवाई चल रही है। इधर सौम्य चौरसिया को जमानत मिल गई है, वे पिछले दो वर्ष से अधिक समय तक जेल थी अब उसे नियमित जमानत मिल रही है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने बताया कि धान खरीदी की टोकन देने एवं लिमिट बढ़ाने सहित अन्य मांगों को लेकर हमने शासन से मांग की है।

50 हजार रूपये की हेरोईन के साथ पकड़ाया युवक.....

रायपुर/ संवाददाता

राजधानी रायपुर में नशे के कारोबार पर शिकंजा कसने चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कबीर नगर पुलिस ने अंतर्राज्यीय स्तर पर सक्रिय एक आरोपी 50 हजार रूपये कीमत की 8.53 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) संदीप कुमार पटेल के नेतृत्व एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में की गई। वहीं, संपूर्ण कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ईशु अग्रवाल के निर्देशन तथा थाना प्रभारी कबीर नगर निरीक्षक एस.एन. सिंह के नेतृत्व में अंजाम दी गई। मिली जानकारी के अनुसार, थाना कबीर नगर क्षेत्र अंतर्गत बीएसयूपी कॉलोनी में एक व्यक्ति के द्वारा अवैध रूप से नशीले पदार्थ की बिक्री किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने इलाके में घेराबंदी कर संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। पूछताछ एवं तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 8.53 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 50 हजार रूपये बताई जा रही है। इसके अलावा आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अवतार सिंह उर्फ पवन (31 वर्ष) के रूप में हुई है, जो जिला फिरोजपुर, पंजाब का निवासी है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी के अंतरराज्यीय नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है।

कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन की अध्यक्षता में आकांक्षी जिला अंतर्गत संपूर्णता अभियान 2.0 का शुभारंभ

मंत्री लखनलाल देवांगन ने स्व सहायता समूहों को चेक वितरण किया

- जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के समन्वय तथा सहभागिता से संपूर्णता अभियान 2.0 के लक्ष्यों को किया जा सकता है हासिल : मंत्री श्री लखनलाल देवांगन

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग, आबकारी, सार्वजनिक उपक्रम एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नीति आयोग के आकांक्षी जिला कार्यक्रम अंतर्गत संपूर्णता अभियान 2.0 का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि विगत वर्ष संपूर्णता अभियान 1.0 के तहत निर्धारित संकेतकों पर योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की गई। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दिशा-निर्देशन में नीति आयोग द्वारा कोरबा जिले को विकास की तेज राह पर आगे बढ़ाने के उद्देश्य से संपूर्णता अभियान 2.0 लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि सरपंचों सहित सभी जनप्रतिनिधियों की सहभागिता और विभागीय अधिकारियों के समन्वय से आकांक्षी जिले के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए कोरबा को विकास व प्रगति के पथ पर आगे ले जाना उनकी प्राथमिकता है। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि इस अभियान के सभी मानकों को प्राप्त करने में सभी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। योजनाओं का सफल क्रियान्वयन और उनका लाभ पात्र व्यक्तियों तक सुनिश्चित रूप से पहुँचे, इसके लिए समर्पित भाव से कार्य करना जरूरी है। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित इस जिला स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम में मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी देश को विकसित भारत की दिशा में लगातार आगे बढ़ा रहे हैं। खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए डीएमएफ की व्यवस्था से जिले में अनेक विकास कार्य संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 विजन को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय भी छत्तीसगढ़ को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मंत्री श्री देवांगन ने जनजागरूकता के माध्यम से संपूर्णता अभियान 2.0 के निर्धारित संकेतकों पर प्रभावी कार्य कर लक्ष्यों की प्राप्ति और कोरबा जिले को आकांक्षी जिला श्रेणी से बाहर लाने के लिए सभी की सहभागिता अत्यंत आवश्यक बताई।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कटघोरा विधायक श्री प्रेमचंद पटेल ने कहा कि कोरबा जिला लंबे समय से आकांक्षी जिला श्रेणी में शामिल रहा है। संपूर्णता अभियान 1.0 में बेहतर कार्य होने पर जिले को प्रोत्साहन मिला था। उन्होंने कहा कि संपूर्णता अभियान 2.0 में जिन संकेतकों को शामिल किया गया है, उन पर उपलब्धि हासिल करने पर सम्मानित किए जाने का भी प्रावधान है। इस अवसर पर कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने कहा कि शासन द्वारा आकांक्षी योजना का जिलों और आकांक्षी ब्लॉकों में प्रभावी संचालन कर तेज विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आकांक्षी जिले के सभी मानकों की लक्ष्य प्राप्ति हेतु आगामी तीन माह तक संबंधित विभागों द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना के आधार पर फील्ड में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

संपादकीय

यूजीसी रेगूलेशन में ऐसा क्या है जिसका सवर्ण कर रहे हैं विरोध?

हम आपको बता दें कि केंद्र सरकार ने उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता और समावेशन को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम, 2026) को अधिसूचित कर दिया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने वाले नए नियमों को लेकर देश में राजनीति तेज हो गई है। इन नियमों के लागू होते ही सवर्ण समुदाय की नाराजगी की खबरें सामने आने लगी हैं और इसके खिलाफ विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक यह दावा किया जा रहा है कि यह रेगुलेशन एक वर्ग विशेष को निशाना बनाने के लिए लाया गया है और इसका दुरुपयोग कर छात्रों और शिक्षकों को प्रताड़ित किया जाएगा। कई मंचों से भय का वातावरण बनाया जा रहा है और तथ्यों से परे जाकर तरह तरह का दुष्प्रचार फैलाया जा रहा है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भावनात्मक शोर और राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप से अलग हटकर इन नियमों की वास्तविकता को समझा जाए। सवाल उठता है कि आखिर इन नियमों में ऐसा क्या है जिससे कुछ लोग डरे हुए हैं और क्या सचमुच यह किसी समुदाय के खिलाफ हैं? या फिर यह उच्च शिक्षण संस्थानों में लंबे समय से चली आ रही असमानता और भेदभाव की समस्या से निपटने की एक कोशिश मात्र है? इन्हीं सवालों के जवाब तलाशने और यूजीसी के इन नियमों की सच्चाई आपके सामने रखने की एक कोशिश इस रिपोर्ट के माध्यम से हम कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि केंद्र सरकार ने उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता और समावेशन को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम, 2026) को अधिसूचित कर दिया है। ये नियम देश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों पर लागू होंगे। इनका उद्देश्य परिसर में भेदभाव से जुड़ी शिकायतों के निवारण के लिए स्पष्ट व्यवस्था बनाना और वंचित सामाजिक समूहों को संस्थागत सहारा देना है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, नए नियमों के तहत प्रत्येक उच्च शिक्षण संस्थान को समान अवसर केंद्र स्थापित करना अनिवार्य होगा। यह केंद्र न केवल भेदभाव से जुड़ी शिकायतों की सुनवाई करेगा, बल्कि शैक्षणिक, आर्थिक, सामाजिक और व्यक्तिगत मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराएगा। विविधता और समावेशन को बढ़ावा देना भी इसकी मुख्य जिम्मेदारी होगी। जिन महाविद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध नहीं होंगे, वहां यह कार्य संबद्ध विश्वविद्यालय के समान अवसर केंद्र के माध्यम से किया जाएगा।

हम आपको बता दें कि इन नियमों के लागू होने की पृष्ठभूमि में न्यायपालिका की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। वर्ष 2012 में बने भेदभाव विरोधी नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर दायर एक याचिका की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने यूजीसी को अद्यतन नियम प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। यह याचिका रोहित वेमुला और पायल तड़वी की माताओं द्वारा दायर की गई थी। हम आपको याद दिला दें कि इन दोनों ही छात्रों के मामलों ने उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत उत्पीड़न और संस्थागत उदासीनता को लेकर देशव्यापी बहस छेड़ी थी।

नए ढांचे के तहत समान अवसर केंद्र के साथ एक समानता समिति का गठन भी अनिवार्य होगा।

विश्व शिक्षा दिवस कोरा उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है, यह सोचने का क्षण कि शिक्षा क्या है, किसके लिए है और किस दिशा में समाज को ले जा रही है। भारत इस संदर्भ में केवल एक देश नहीं, बल्कि एक जीवित सभ्यता है, जिसने शिक्षा को कभी भी मात्र रोजगार या सूचना का साधन नहीं माना, बल्कि जीवन-निर्माण, चरित्र-गठन और आत्मबोध की प्रक्रिया के रूप में जिया है। आज जब दुनिया ज्ञान, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अभूतपूर्व दौर में खड़ी है, तब भारत की प्राचीन गुरुकुल परंपरा और उसके शैक्षिक सूत्र वैश्विक नेतृत्व का आधार बन सकते हैं। इस वर्ष की थीम 'शिक्षा के सह-निर्माण में युवाओं की शक्ति' है, जो शांति और विकास के लिए शिक्षा के महत्व पर केंद्रित है, यह दिन शिक्षा को एक मौलिक अधिकार और भविष्य की पूंजी के रूप में रेखांकित करने के लिए मनाया जाता है, ताकि गरीबी मिटाई जा सके, लैंगिक समानता लाई जा सके और सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जा सके।

शिक्षा रोजगार का टिकट नहीं, जीवन का दर्शन बने

(ललित गर्ग)

संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित यह दिवस, शांति और विकास के लिए शिक्षा की भूमिका का जश्न मनाता है। यह शिक्षा को एक मौलिक मानवाधिकार, सार्वजनिक हित और जिम्मेदारी के रूप में स्थापित करता है। यह दिन गरीबी के चक्र को तोड़ने और लैंगिक समानता प्राप्त करने के लिए शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देता है।

विश्व शिक्षा दिवस कोरा उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है, यह सोचने का क्षण कि शिक्षा क्या है, किसके लिए है और किस दिशा में समाज को ले जा रही है। भारत इस संदर्भ में केवल एक देश नहीं, बल्कि एक जीवित सभ्यता है, जिसने शिक्षा को कभी भी मात्र रोजगार या सूचना का साधन नहीं माना, बल्कि जीवन-निर्माण, चरित्र-गठन और आत्मबोध की प्रक्रिया के रूप में जिया है। आज जब दुनिया ज्ञान, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अभूतपूर्व दौर में खड़ी है, तब भारत की प्राचीन गुरुकुल परंपरा और उसके शैक्षिक सूत्र वैश्विक नेतृत्व का आधार बन सकते हैं। इस वर्ष की थीम 'शिक्षा के सह-निर्माण में युवाओं की शक्ति' है, जो शांति और विकास के लिए शिक्षा के महत्व पर केंद्रित है, यह दिन शिक्षा को एक मौलिक अधिकार और भविष्य की पूंजी के रूप में रेखांकित करने के लिए मनाया जाता है, ताकि गरीबी मिटाई जा सके, लैंगिक समानता लाई जा सके और सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जा सके। जिसकी आवश्यकता इसलिए भी है क्योंकि लाखों बच्चे एवं युवा शिक्षा से वंचित हैं और यह दिन युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाता है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित यह दिवस, शांति और विकास के लिए शिक्षा की भूमिका का जश्न मनाता है। यह शिक्षा को एक मौलिक मानवाधिकार, सार्वजनिक हित और जिम्मेदारी के रूप में स्थापित करता है। यह दिन गरीबी के चक्र को तोड़ने और लैंगिक समानता प्राप्त करने के लिए शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देता है। यह दिन शिक्षा को भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी मानता है, जो समाज को अंधकार से बाहर निकाल सकती है और भविष्य के निर्माताओं को तैयार कर सकती है। भारत की प्राचीन शिक्षा परंपरा का मूल मंत्र था-सा विद्या या विमुक्तये, अर्थात् वही विद्या है जो मुक्त करे। गुरुकुलों में शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं थी; वह आचरण, अनुशासन, प्रकृति के साथ सामंजस्य, गुरु-शिष्य संवाद और जीवनोपयोगी कौशल का समन्वय थी। गुरु केवल विषय का अध्यापक नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टा होता था और शिष्य केवल परीक्षा-उत्तीर्ण करने वाला विद्यार्थी नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायी नागरिक। आश्रम-व्यवस्था में रहकर विद्यार्थी सेवा, श्रम, ध्यान, तर्क और प्रयोग-इन सबके माध्यम से समग्र व्यक्तित्व का विकास करता था। यह शिक्षा आत्मनिर्भरता सिखाती थी, प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि सह-अस्तित्व का बोध कराती थी और ज्ञान को जीवन से जोड़ती थी।

औपनिवेशिक काल में यह समग्र शिक्षा व्यवस्था व्यवस्थित रूप से ध्वस्त की गई। लॉर्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति का उद्देश्य भारतीयों को शिक्षित बनाना नहीं, बल्कि प्रशासन के लिए क्लर्क तैयार करना था-ऐसे लोग जो सोच में अंग्रेज़

हों, रंग में भारतीय। इस पद्धति ने शिक्षा को जीवन से अलग कर दिया, भाषा को जड़ों से काट दिया और ज्ञान को रटंत, अंक-केंद्रित और नौकरी-उन्मुख बना दिया। आज़ादी के बाद भी दुर्भाग्यवश, भारत लंबे समय तक उसी ढांचे में फंसा रहा। विद्यालय और विश्वविद्यालय बढ़े, लेकिन शिक्षा की आत्मा कमजोर होती चली गई। डिग्रियों की संख्या बढ़ी, पर कौशल, नैतिकता और नवाचार का संकट गहराता गया। स्वतंत्र भारत की शिक्षा प्रणाली ने कुछ सकारात्मक प्रयास अवश्य किए-सार्वजनिक विश्वविद्यालय, वैज्ञानिक संस्थान, तकनीकी शिक्षा लेकिन व्यापक स्तर पर शिक्षा समाज की आवश्यकताओं से कटती गई। पाठ्यक्रम बोझिल होते गए, परीक्षाएं स्मृति-आधारित बनती गईं और शिक्षक-छात्र संवाद औपचारिकता में सिमट गया। शिक्षा रोजगार का टिकट बन गई, जीवन का दर्शन नहीं। यही कारण है कि आज शिक्षित युवा भी दिशाहीनता, बेरोजगारी और मानसिक तनाव से जूझ रहा है। इसी पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आती है। यह नीति केवल संरचनात्मक सुधार नहीं, बल्कि वैचारिक बदलाव का संकेत देती है। इसमें भारतीय भाषाओं को शिक्षा का माध्यम बनाने, बहु-विषयक अध्ययन, रटंत विद्या से मुक्ति, कौशल विकास, अनुसंधान, नवाचार और नैतिक शिक्षा पर बल दिया गया है। यह नीति स्पष्ट रूप से मैकाले की शिक्षा पद्धति से बाहर निकलने की दिशा में कदम है-जहां शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी नहीं, बल्कि सक्षम, सृजनशील और संवेदनशील मानव का निर्माण है।

नई शिक्षा नीति में कौशल विकास, अनुभवात्मक अधिगम, खेल, कला और व्यावसायिक शिक्षा को महत्व देना, उच्च शिक्षा में विषयों की कठोर सीमाओं को तोड़ना-ये सभी कदम गुरुकुल परंपरा की आधुनिक पुनर्व्याख्या जैसे हैं। मातृभाषा में शिक्षा का आग्रह न केवल संज्ञानात्मक विकास को सुदृढ़ करता है, बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास भी लौटाता है। यह नीति भारतीय ज्ञान परंपरा-योग, आयुर्वेद, दर्शन, गणित, खगोल को वैश्विक संदर्भ में पुनर्स्थापित करने का अवसर देती है। फिर भी, यह स्वीकार करना होगा कि नीति और क्रियान्वयन के बीच की दूरी अभी भी बड़ी चुनौती है। व्यापक परिवर्तन की अपेक्षाएं अभी अधूरी हैं। शिक्षा को वास्तव में कौशल विकास का केंद्र बनाना होगाकृजहां विद्यार्थी केवल पढ़े नहीं, बल्कि कर सके, सोच सके, समस्या सुलझा सके। पाठ्यपुस्तकों और रटंत विद्या से हटकर शिक्षा को जीवन-विकास का आधार बनाना होगा। शिक्षक को फिर से गुरु की भूमिका में लाना होगा-मार्गदर्शक, प्रेरक और सहयात्री के रूप में।

तकनीकी विकास, नवाचार और एआई के युग में भारतीय शिक्षा पद्धति के सामने दोहरी चुनौती है। एक ओर, उसे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सक्षम बनना है-डिजिटल साक्षरता, डेटा, विज्ञान और तकनीक में अग्रणी होना है। दूसरी ओर, उसे मानवीय मूल्यों, करुणा, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी सुरक्षित रखना है। यदि शिक्षा केवल तकनीक सिखाएगी और विवेक नहीं, तो वह विनाश का उपकरण बन सकती है। भारत की शक्ति यही है कि वह विज्ञान और अध्यात्म, तकनीक और तत्त्वज्ञान, नवाचार और नैतिकता-इन सबका संतुलन सिखा सकता है। भारतीय शिक्षा पद्धति में वह सामर्थ्य है कि वह दुनिया को एक नया दर्शन और नया शिक्षा-सूत्र दे सके, जहां शिक्षा उपभोग नहीं, साधना हो; जहां ज्ञान सत्ता नहीं, सेवा बने; जहां प्रतिस्पर्धा के साथ सह-अस्तित्व भी हो। वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना आज वैश्विक शिक्षा का सबसे प्रासंगिक मंत्र बन सकती है।

इक्कीसवीं सदी का मानव और मानव समाज केवल तकनीकी दक्षता या आर्थिक प्रगति से पूर्ण नहीं हो सकता। उसकी संरचना तब तक अधूरी रहेगी, जब तक शिक्षा परिपक्व, समग्र और मूल्यनिष्ठ न हो। आज दुनिया को ऐसे अभिनव मानव की आवश्यकता है जो आध्यात्मिक चेतना से संपन्न हो और वैज्ञानिक दृष्टि से सक्षम भी। शिक्षा का स्वरूप ऐसा हो, जिसमें ज्ञान केवल सूचना न बने, बल्कि विवेक, संवेदना और उत्तरदायित्व का विस्तार करे। मूल्यप्रवाहित शिक्षा व्यक्ति को मानवीय बनाती है और योग शिक्षा उसे आत्म-संयम, संतुलन तथा अंतर्दृष्टि प्रदान करती है।

वैश्विक स्तर पर युद्ध के बदलते स्वरूप

21वीं सदी में शक्ति संघर्ष का स्वरूप बहुत तेजी से बदल रहा है। अब विभिन्न देशों के बीच संघर्ष, तोप, मिसाइल एवं सेनाओं के माध्यम से नहीं लड़े जा रहे हैं बल्कि तकनीकि उपलब्धता, मुद्रा नियंत्रण, पूंजी प्रवाह, खाद्य सुरक्षा, आकड़ों (डेटा) का संग्रहण, नियम निर्माण को प्रभावित करने की क्षमता एवं वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित करना, आदि में माध्यम से लड़ा जा रहा है।

(प्रह्लाद सबनानी)

व्यवस्थित तरीके से लड़े जाने वाले उक्त वर्णित युद्ध में रणनीतिक तंत्र का उपयोग किया जाता है। इस तंत्र के माध्यम से वैश्विक बाजारवादी शक्तियां मिलकर किसी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था, नीति संरचना, मुद्रा, पूंजी प्रवाह, तकनीकि, आपूर्ति श्रृंखला, खाद्य सुरक्षा एवं सामाजिक धारणा पर लम्बे समय तक अपना प्रभाव एवं नियंत्रण स्थापित कर लेती हैं। 21वीं सदी में शक्ति संघर्ष का स्वरूप बहुत तेजी से बदल रहा है।

अब विभिन्न देशों के बीच संघर्ष, तोप, मिसाइल एवं सेनाओं के माध्यम से नहीं लड़े जा रहे हैं बल्कि तकनीकि उपलब्धता, मुद्रा नियंत्रण, पूंजी प्रवाह, खाद्य सुरक्षा, आकड़ों (डेटा) का संग्रहण, नियम निर्माण को प्रभावित करने की क्षमता एवं वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित करना, आदि में माध्यम से लड़ा जा रहा है।

यह एक ऐसा बहुपरत, निरंतर संस्थागत एवं सूक्ष्म युद्ध का स्वरूप है जो राष्ट्र की आर्थिक सामरिक स्वायत्तता को बिना पारम्परिक लड़ाई के नष्ट करने की क्षमता रखता है। यह युद्ध वैश्विक बाजारी शक्तियों अर्थात बहुराष्ट्रीय कम्पनियों, वॉल स्ट्रीट पर आधारित वित्तीय नेट्वर्क, डॉलर आधारित भुगतान प्रणाली, अंतरराष्ट्रीय संस्थानों (विश्व व्यापार संगठन, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक), रेटिंग संस्थानों, बड़े तकनीकि संस्थानों एवं निजी सैन्य परामर्श समूहों द्वारा मिलकर संचालित किया जा रहा है। यह युद्ध एक प्रणाली है एवं यह एक घटना नहीं है।

व्यवस्थित तरीके से लड़े जाने वाले उक्त वर्णित युद्ध में रणनीतिक तंत्र का उपयोग किया जाता है। इस तंत्र के माध्यम से वैश्विक बाजारवादी शक्तियां मिलकर किसी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था, नीति संरचना, मुद्रा, पूंजी प्रवाह, तकनीकि, आपूर्ति श्रृंखला, खाद्य सुरक्षा एवं सामाजिक धारणा पर लम्बे समय तक अपना प्रभाव एवं नियंत्रण स्थापित कर लेती हैं।

यह युद्ध अदृश्य रूप से चलता है एवं किसी को प्रत्यक्ष रूप से दिखाई नहीं देता है। यह युद्ध विभिन्न संस्थानों के माध्यम से लड़ा जाता है एवं इस युद्ध के माध्यम से किसी भी देश की शासन व्यवस्था को भी परिवर्तित किया जा सकता है।

देश की प्रगति पर ब्रेक लगा रहा है ट्रैफिक जाम

बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीएजी) के सर्वे के अनुसार, सुबह 7 से 9 और शाम को 6 से 8 को पीक समय माना गया है। इस दौरान आने-जाने में औसत से डेढ़ गुना अधिक समय लगता है। इस सर्वे में कोलकाता की स्थिति सबसे खराब थी। बेंगलुरु दूसरे पायदान पर रहा। सबसे ज्यादा वाहनों की संख्या के बावजूद बेहतर सड़कों के चलते दिल्ली की स्थिति बेहतर रही। रिपोर्ट्स के अनुसार, दिल्ली में निजी वाहन से चलने वालों की संख्या सबसे अधिक 45 फीसदी रही, जबकि बेंगलुरु में यह आंकड़ा 38 फीसदी रहा। सार्वजनिक वाहनों के प्रयोग के मामले में मुंबई ने बाजी मारी, जिसके बाद कोलकाता का नंबर रहा। इस मामले में बेगलुरू सबसे निचले पायदान पर रहा जहां ट्रैफिक जाम आम हो गया है।

(योगेंद्र योगी)

दिल्ली में यातायात जाम से संबंधित आर्थिक नुकसान 2030 तक 14.7 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। अकेले यातायात जाम के कारण ईंधन की बर्बादी से प्रतिदिन लाखों डॉलर का नुकसान हो सकता है, जिससे शहर में पहले से ही गंभीर वायु गुणवत्ता की समस्या और भी बढ़ जाएगी।

देश आधारभूत सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है। हर तरफ हाल–बेहाल है। देश के राजनीतिक दल ऐसी सुविधाएं के प्रति गंभीर नहीं हैं। यही वजह है कि इन सुविधाओं की कमी से देश का हर साल अरबों रुपयों का नुकसान उठाना पड़ रहा है। राजनीतिक दल और सरकारें ऐसी सुविधाओं की कमी के लिए एक–दूसरे को कोस कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं। टॉमटॉम ट्रैफिक इंडेक्स 2025 के अनुसार बेंगलुरु दुनिया में दूसरा सबसे ज़्यादा जाम वाला शहर है। रैंकिंग में सिर्फ मैक्सिको सिटी ऐसा शहर है, जहां ट्रैफिक की स्पीड बेंगलुरु से कम है। पांचवें स्थान पर महाराष्ट्र का पुणे शहर है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बेंगलुरु के जाम के कारण लोगों को एक साल में 168 घंटे गंवाने पड़े। यह समय 7 दिन और 40 मिनट के बराबर है।

बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीएजी) के सर्वे के अनुसार, सुबह 7 से 9 और शाम को 6 से 8 को पीक समय माना गया है। इस दौरान आने-जाने में औसत से डेढ़ गुना अधिक समय लगता है। इस सर्वे में कोलकाता की स्थिति सबसे खराब थी। बेंगलुरु दूसरे पायदान पर रहा। सबसे ज्यादा वाहनों की संख्या के बावजूद बेहतर सड़कों के चलते दिल्ली की स्थिति बेहतर रही। रिपोर्ट्स के अनुसार, दिल्ली में निजी वाहन से चलने वालों की संख्या सबसे अधिक 45 फीसदी रही, जबकि बेंगलुरु में यह आंकड़ा 38 फीसदी रहा। सार्वजनिक वाहनों के प्रयोग के मामले में मुंबई ने बाजी मारी, जिसके बाद कोलकाता का नंबर रहा। इस मामले में बेगलुरू सबसे निचले पायदान पर रहा जहां ट्रैफिक जाम आम हो गया है।

भारत के प्रमुख चार शहरों- दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता में ट्रैफिक जाम के चलते हर साल 1.47 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होता है। एक हालिया स्टडी में खुलासा हुआ है कि ट्रैफिक जाम के कारण बेंगलुरु को लगभग हर साल 20,000 करोड़ रुपये का भारी आर्थिक नुकसान होता है। भारत की सिलिकॉन वैली का सपना देखने वाले इस शहर में हर साल हजारों लोग आते हैं। पिछले 15 सालों में शहर की आबादी तेजी से बढ़ी है। अब यहां करीब 1.5 करोड़ लोग रहते हैं। सड़कों पर एक करोड़ से अधिक गाड़ियां हैं। गाड़ियों की संख्या कितनी तेजी से बढ़ रही है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने एक बयान में कहा था कि साल 2027 तक शहर में वाहनों की संख्या यहां की आबादी से ज्यादा होगी।

दिल्ली में यातायात जाम से संबंधित आर्थिक नुकसान 2030 तक 14.7 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। अकेले यातायात जाम के कारण ईंधन की बर्बादी से प्रतिदिन लाखों डॉलर का नुकसान हो सकता है, जिससे शहर में पहले से ही गंभीर वायु गुणवत्ता की समस्या और भी बढ़ जाएगी। रिपोर्ट में पता चला कि कर्मचारियों ने काफी समय ट्रैफिक में फंसकर बिताया, जिससे उत्पादकता में काफी नुकसान हुआ। स्टडी का अनुमान है कि ट्रैफिक संबंधी बाधाओं के कारण अकेले आईटी सेक्टर को लगभग 7,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसके अलावा, छोटे और मध्यम उद्यमों पर ट्रैफिक जाम के प्रतिकूल प्रभाव पड़ते हैं। ये व्यवसाय डिलीवरी शेड्यूल को पूरा करने के लिए संघर्ष करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप शिपमेंट में देरी होती है और ग्राहक असंतुष्ट होते हैं। बदले में इसका शहर की अर्थव्यवस्था पर तेजी से प्रभाव पड़ता है, जिससे लगभग 3,500 करोड़ रुपये का नुकसान होता है।

भारत में वर्ष 2000 से मोटर वाहन उपयोग में भारी वृद्धि हुई है और हर 5-6 वर्षों में नए वाहनों की संख्या दोगुनी हो जाती है। हालांकि महामारी के कारण कुछ समय के लिए यह वृद्धि रुक गई, लेकिन मोटर वाहन उपयोग में तेजी से सुधार हुआ और 2023-24 में औसतन प्रतिदिन 58,000 नए वाहन पंजीकृत हुए, जिनमें से 52,000 निजी वाहन थे। दिल्ली में, इसी अवधि में औसतन 6.4 लाख वाहन पंजीकृत हुए और औसतन प्रतिदिन नए वाहन पंजीकृत हुए, जिनमें से लगभग 1,750 नए वाहन थे। यातायात जाम बढ़ने का एक कारण 'कारों की अत्यधिक संख्या' है।

ट्रैफिक में वाहनों के खड़े रहने से भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 3 प्रतिशत बर्बाद हो जाता है। महानगर यातायात के कारण जाम से ग्रस्त हो गए हैं, जिसका 10 प्रतिशत ईंधन की खपत के कारण बर्बाद होता है। जहां वाहन ट्रैफिक में खड़े होते हैं, वहां प्रदूषण का एक क्षेत्र बन जाता है, जिसमें कार्बन मोनोऑक्साइड और सल्फर ऑक्साइड जैसी गैसें होती हैं, जिन्हें मापा जा सकता है। यातायात जाम का प्रदूषण पर सीधा प्रभाव पड़ता है, क्योंकि रुके हुए वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन सुचारू रूप से चल रहे यातायात की तुलना में 3 से 7 गुना अधिक हो सकता है। नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड और कार्बन डाइऑक्साइड की बड़ी मात्रा उत्सर्जित होती है, जिससे स्थानीय वायु गुणवत्ता प्रभावित होती है और स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा होता है।

साल 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की शहरी जनसंख्या 31.16 प्रतिशत थी, जो विश्व बैंक के 2022 के अनुमान के अनुसार शहरी जनसंख्या 2020 तक बढ़कर 35त्न हो चुकी है। शहरीकरण की यह गति आने वाले वर्षों में और तेज होगी, जिससे महानगरों में वाहनों की संख्या भी बढ़ेगी। दिल्ली में 2023 तक लगभग 1.2-1.3 करोड़ पंजीकृत वाहन थे,

पर्यावरण प्रदूषण भी ट्रैफिक जाम की एक गंभीर परिणति है। दुनिया के 20 सबसे प्रदूषित शहरों में से 13 भारत में हैं। ट्रैफिक जाम के कारण वाहनों से निकलने वाले कार्बन उत्सर्जन में भारी वृद्धि होती है, जिससे वायु गुणवत्ता खराब होती है और स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ती हैं।

इस समस्या के समाधान के लिए कई प्रभावी रणनीतियां अपनाई जा सकती हैं। सबसे पहले सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को मजबूत करना अनिवार्य है। अधिक शहरों में मेट्रो नेटवर्क, इलेक्ट्रिक बसों और साइकिल ट्रैक को बढ़ावा देना चाहिए। भारत में हाई-ऑक्यूपेंसी व्हीकल लेन का प्रावधान किया जा सकता है, जिससे एक से अधिक यात्रियों वाले वाहनों को प्राथमिकता मिले और कार-पूलिंग को प्रोत्साहन मिले। सड़कों के बुनियादी ढांचे में सुधार भी आवश्यक है। फ्लाईओवर, मल्टी-लेवल पार्किंग और स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल जैसी सुविधाएं विकसित की जानी चाहिए। मुंह बाएं खड़ी ट्रैफिक जाम की समस्या के लिए तत्काल युद्ध स्तर पर प्रयास नहीं किए गए तो आने वाले वक्त में यह समस्या विकराल रूप धारण कर लेगी।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

000

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ, 10 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने लिया भाग

जिला प्रशासन एवं नारायणपुर पुलिस के समन्वय से आयोजित अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन-2026 शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न

नारायणपुर। जिला प्रशासन नारायणपुर एवं नारायणपुर पुलिस के समन्वय में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन-2026 का हाईस्कूल परिसर, नारायणपुर से भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रतिभागियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया तथा सांकेतिक दौड़ लगाकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। नारायणपुर से बासिंग तक 21 कि.मी. दूरी में आयोजित इस मैराथन में 10,000 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की, जिनमें 60 से अधिक विदेशी धावक भी शामिल रहे। नारायणपुर पुलिस द्वारा की गई व्यापक सुरक्षा व्यवस्था एवं यातायात प्रबंधन के चलते आयोजन पूर्णतः शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। इससे पहले अबूझमाड़ खेल महोत्सव के अंतर्गत पहले वालीबाल, फुटबॉल प्रतियोगिता एवं अबूझमाड़ बैडमिंटन लीग का भी आयोजन किया गया था। साथ ही सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया था जिसमें मलखंभ अकादमी द्वारा प्रस्तुति दी गई और साथ ही साथ ड्रोन एवं लेजर शो का आयोजन भी किया गया था।

मैराथन का आयोजन चार श्रेणियों में किया गया था – नारायणपुर श्रेणी (पुरुष/महिला), बस्तर श्रेणी (पुरुष/महिला), ओपन श्रेणी (पुरुष/महिला), टीम रन (चार सदस्यीय टीम, प्रथम धावक महिला अनिवार्य)

प्रतियोगिता परिणाम - ओपन श्रेणी - पुरुष- प्रथम फिरोम्सा अरावसुतार - इथियोपिया, द्वितीय अक्षय कुमार - मेरठ (उ.प्र.), तृतीय टेबेजे किनेटो - इथियोपिया, चतुर्थ संदीप कुमार ध्रुव - सिहावा, जिला धमतरी, पंचम मेघनाथ यादव - राजनांदगांव

ओपन श्रेणी - महिला - प्रथम मुन्नी देवी - सांडवा, भिवानी (हरियाणा), द्वितीय वंदना - वाराणसी (उ.प्र.), तृतीय इडा जेरोटिच - इथियोपिया, चतुर्थ बसंती कुमारी - जमशेदपुर (झारखंड), पंचम दशोदा सिक्का - दुर्ग।

बस्तर श्रेणी - पुरुष - प्रथम मंकू राम नाग - कोंडागांव, द्वितीयमनोज करटाम - बीजापुर, तृतीय फूलधर नेताम - कोंडागांव, चतुर्थ दासी राम मंडावी - कोंडागांव, पंचम संजय कोरटाम - कोंडागांव।

बस्तर श्रेणी - महिला - प्रथम प्रमिला मंडावी - लोहंडीगुड़ा, बस्तर, द्वितीय कुमली पोयाम - जगदलपुर, तृतीय कुसुम शार्दुल - बस्तर, चतुर्थ कंचन नेताम - कांकेर, पंचम संतोषी भंडारी - बीजापुर।

नारायणपुर श्रेणी - पुरुष - प्रथम रस्सू - कौशलनार द्वितीय विजय उसेंडी - ओरछा तृतीय तेजेश्वर करंगा - देवगांव चतुर्थ धनसिंह वड्डे - नारायणपुर पंचम जयसिंह कुमेटी - खड़कगांव

नारायणपुर श्रेणी - महिला - प्रथम रीना उइके - लापसी, नारायणपुर, द्वितीय सानी सलाम - बोरावंड, तृतीय लता मंडावी - धुतखर, चतुर्थ शांति कचलाम - नारायणपुर, पंचम उर्मिला करंगा - नारायणपुर,

टीम रन - प्रथम भिलाई स्टील सिटी टीम, द्वितीय दुर्ग रनर्स, तृतीय डीआरजेड (दल्ली राजहरा), चतुर्थ सुकमा टीम, पंचम जगदलपुर बस्तर टीम।

पुरस्कार राशि- ओपन श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को 1,00,000/- एवं टीम रन में प्रथम टीम को 50,000/- नगद पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम की विशेष उपलब्धि यह रही कि पुनर्वास योजना के अंतर्गत मुख्यधारा में लौट चुके लगभग 140 पुनर्वासित पूर्व माओवादी युवाओं ने भी उत्साहपूर्वक मैराथन में सहभागिता की। यह सहभागिता क्षेत्र में शांति, विश्वास बहाली एवं सफल पुनर्वास प्रक्रिया का सशक्त प्रतीक बनी। आयोजन पूर्व हाईस्कूल परिसर में जुंबा वॉर्मअप सत्र आयोजित किया गया। साथ ही समापन स्थल बासिंग में भी कुल डाउन जुंबा, स्वल्पाहार, फिजियो, मेडिकल की व्यवस्था की गई थी। मैराथन का समापन समारोह बासिंग में आयोजित किया गया, जहां माननीय सांसद बस्तर महेश कश्यप, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के अध्यक्ष रूपसाय सलाम तथा जिला पंचायत नारायणपुर की अध्यक्ष नारायण मरकाम की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। समापन अवसर पर सभी विजेता प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार के चेक एवं पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। नारायणपुर पुलिस द्वारा व्यापक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए कार्यक्रम को पूर्णतः शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया गया।

संघ के शताब्दी वर्ष कार्यक्रम के अंतर्गत दंतेवाड़ा में बैठक का आयोजन किया गया

किरंदुल। राष्ट्रीय स्वयं संघ कार्य के 100 वर्ष पूर्ण शताब्दी वर्ष कार्यक्रम में 5 कार्य सामाजिक सद्भाव बैठक खंड एवं नगर दंतेवाडा में संपूर्ण निवासरत सामाजिक परिवारों की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का प्रारम्भ माई दंतेश्वरी एवम भारत माता के पूजा अर्चना के साथ किया गया। मौके पर सामाजिक सदभाव प्रमुख, बीरबल ठाकुर एवं मुख्य वक्ता विभाग कमलेश, नगर संघ चालक वेणु गोपाल उपस्थित रहें साथ ही समस्त समाज प्रमुखों के द्वारा अपने अपने विचार व्यक्त करते हुए सर्व समाज को एक होकर अपनत्व के भाव से कार्य करने हेतु संकल्प लिया।साथ ही ऐसी बैठक प्रत्येक माह में होना सर्वसम्मति से करना तय किया गया। इस अवसर पर सभी समाज प्रमुखों एवं सदस्यगण उपस्थित रहें।

भय से भक्ति तक : पेंदलनार में लौटी सनातन चेतना

सुकमा। पेंदलनार में 30-31 जनवरी 2026 को विश्व हिंदू परिषद, यादव समाज एवं ग्रामवासियों के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृतिक रंगमंच में हिंदू सम्मेलन एवं श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया गया। आयोजन में क्षेत्र के सैकड़ों सनातनी श्रद्धालु, साधु-संत एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए, जिससे पूरे अंचल में धार्मिक उत्साह और सामाजिक एकजुटता का वातावरण बना। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती एवं अयोध्या धाम से प्रशिक्षित श्रीमद्भागवत कथा वाचिका भारती देवी कोर्राम सहित साधु-संतों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। सम्मेलन का मूल उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित करना, सनातन संस्कृति का संरक्षण करना तथा सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करना रहा। वक्ताओं ने जाति, पंथ और वर्ग से ऊपर उठकर एकजुट हिंदू समाज के निर्माण, युवाओं में सांस्कृतिक चेतना के विकास तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय सहभागिता पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी, आशीष दुबे, मुन्ना राम नाग, अनिल टावरी, अरुण सिंह भदौरिया सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, यादव समाज के प्रतिनिधि एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अधिवक्ता दीपिका शोरी ने कहा—एक समय था जब नक्सलियों के दबाव में इस क्षेत्र में पूजा-पाठ और धार्मिक आयोजन लगभग बंद हो गए थे। लोग भय के वातावरण में जीवन जीने को मजबूर थे। लेकिन आज उसी धरती पर राम और कृष्ण के जयकारे गूंज रहे हैं। यह बदलाव केवल सुरक्षा का नहीं, बल्कि आस्था, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ सरकार की संवेदनशील नीतियों, विकास कार्यों और शांति स्थापना के प्रयासों से आज लोग निर्भय होकर अपनी सनातन परंपराओं से फिर जुड़ पा रहे हैं। कार्यक्रम के समापन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, यादव समाज एवं ग्रामवासियों ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी नागरिकों और स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय बजट 2026-27 : आर्थिक गति, रोजगार और आत्मनिर्भर भारत को नई उड़ान : पूर्व मंत्री महेश गागड़ा

बीजापुर। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 देश की अर्थव्यवस्था को तेज गति देने, व्यापक रोजगार सृजन करने और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त करने वाला बजट है। यह बजट विकास, समावेशन और कर्तव्य भावना के मूल मंत्र के साथ भारत को विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में स्थापित करने की दिशा में एक ठोस कदम है। केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर आज भाजपा अटल सदन कार्यालय, बीजापुर में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने बजट की सराहना करते हुए इसे आत्मनिर्भर भारत को नई उड़ान देने वाला बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट आमजन, उद्योग, किसान, युवा और महिलाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला दूरदर्शी परिणाम है।

गागड़ा ने कहा कि बजट में आर्थिक सुधारों पर विशेष जोर दिया गया है। विनिर्माण क्षेत्र को मजबूती देने के लिए बायोफार्मा शक्ति, इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 तथा कैपिटल गुड्स को प्रोत्साहित करने की योजनाएं शुरू की गई हैं। साथ ही रेयर अर्थ और केमिकल पार्क की स्थापना से देश की औद्योगिक क्षमता और आत्मनिर्भरता को बल मिलेगा। उन्होंने बताया कि कपड़ा क्षेत्र में रोजगार सृजन हेतु 5-सूत्रीय कार्यक्रम, टेक्सटाइल क्लस्टर विकास और टेक्स-इको पहल से लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। वहीं MSME क्षेत्र के लिए 10,000 करोड़ रुपये का SME ग्रोथ फंड तथा नए क्रेडिट उपाय छोटे उद्योगों को नई मजबूती प्रदान करेंगे। बजट में सार्वजनिक पूंजीगत व्यय को बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव बुनियादी ढांचे के विकास को नई गति देगा। ऊर्जा क्षेत्र में कार्बन कैप्चर तकनीक और शहरी विकास के लिए सिटी इकोनॉमिक रीजन की योजना भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाई गई है। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में नए आयुष्मान स्वास्थ्य केंद्र, क्षेत्रीय मेडिकल हब, डिजिटल शिक्षा और खेलो इंडिया जैसी योजनाएं आम नागरिकों की जीवन गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार लाएंगी। कृषि क्षेत्रों में नारियल, चंदन, कोको और काजू जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों को बढ़ावा दिया, किसानों के लिए एग्रीस्टैक और आईसीएआर पैकेज को एकीकृत करने वाला एआई टूल 'भारत-विस्तार लॉन्च किया जाएगा। मत्स्य पालन मूल्य श्रृंखला को मजबूत किया जाएगा। देश के हर जिले में महिला छात्रावास, ग्रामीण महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए 'शी-मार्ट स्थापित किए जाएंगे। दिव्यांगजनों के लिए आईटी और हॉस्पिटैलिटी में रोजगार के लिए 'दिव्यांगजन कौशल योजना, सहायक उपकरणों तक पहुंच के लिए 'दिव्यांग सहारा योजना, तेंदूपत्ता संग्रहण सहित ऐसे कई बड़े योजनाओं पर विशेष जोर दिया गया हैं। कुल मिलाकर, केंद्रीय बजट 2026-27 गरीब, किसान, मजदूर, युवा और महिलाओं को केंद्र में रखकर तैयार किया गया एक सशक्त और दूरदर्शी बजट है, जो भारत को समृद्ध और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष घासीराम नाग, महामंत्री संजय लुक्कड़, फूलचंद गागड़ा, कोषाध्यक्ष सोनल गुप्ता, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष हरिहर साहनी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष माया झाड़ी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला मोहला-मानपुर से एफ.पी.ओ. के सदस्यों ने किया केविके एवं मल्टीएक्टिविटी सेंटर कोचवाही का भ्रमण

नारायणपुर। एच.डी.एफ.सी. बैंक द्वारा संचालित समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम परिवर्तन के अंतर्गत 27 एवं 28 जनवरी को जिला मोहला-मानपुर से आए किसान उत्पादक संगठन (एफ.पी.ओ.) के सदस्यों का कृषि विज्ञान केंद्र, नारायणपुर में दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। भ्रमण के दौरान एफपी.ओ. के सदस्यों को कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. दिब्येन्दु दास द्वारा केंद्र की कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई। उन्होंने किसानों को एकीकृत कृषि प्रणाली एवं प्राकृतिक खेती के विभिन्न आयामों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। साथ ही यह जानकारी दी गई कि फसल उत्पादन, पशुपालन, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन एवं प्राकृतिक खेती के समन्वय से कम लागत में अधिक आय प्राप्त की जा सकती है। प्राकृतिक खेती के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य में सुधार, रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने तथा पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।कार्यक्रम के दौरान इंद्र कुमार द्वारा किसानों को मशरूम की खेती से संबंधित विस्तृत तकनीकी जानकारी प्रदान की गई।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. कंगलु कुम्हार की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम

भानुप्रतापपुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. कंगलु कुम्हार जी की पुण्यतिथि के अवसर पर दिनांक 2 फरवरी को कोसरिया कुम्हार समाज, स्वतंत्रता सेनानी स्मृति समिति एवं क्षेत्रवासियों के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य एवं गरिमामय श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वतंत्रता आंदोलन में स्व. कंगलु कुम्हार जी के अतुलनीय योगदान, त्याग और बलिदान को स्मरण करना तथा नई पीढ़ी को उनके संघर्ष से प्रेरित करना है। इस ऐतिहासिक अवसर पर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कोसरिया कुम्हार समाज के वरिष्ठ समाजसेवी अर्जुन

चक्रधारी जी करेंगे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडावी, डौंडी लोहारा विधायक अनिला भेड़िया, गुंडरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद अपनी गरिमामय उपस्थिति प्रदान करेंगे। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे। इनमें प्रमुख रूप से गिरीश देवांगन, बसंत यादव, सुभद्रा सलाम, हेमंत धुरू, जनपद पंचायत अध्यक्ष गोपी बढ़ाई, जिला पंचायत सदस्य देवलाल नरेटी, आनंद तेता, सरपंच शंकुतला नरेटी, मुकेश नरेटी एवं धनेश नरेटी शामिल हैं। इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी स्मृति समिति के संरक्षक ललित नरेटी एवं स्वतंत्रता सेनानी स्मृति समिति के अध्यक्ष कोमल हुपेडी की भी विशेष उपस्थिति रहेगी, जो कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाएगी। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कुम्हार समाज के संरक्षक हरेश चक्रधारी, सचिव वकील कुंभकार एवं जयपाल चक्रधारी ने संयुक्त रूप से बताया कि यह आयोजन केवल श्रद्धांजलि तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को स्वतंत्रता संग्राम के मूल्यों–देशभक्ति, त्याग और संघर्ष–से जोड़ने का एक सशक्त प्रयास है।

किरन्दुल श्री राघव मंदिर की पुराने खंडित शिवलिंग को गोदावरी नदी में किया गया विसर्जित

किरंदुल। लौह अयस्क की खदानों के लिए पहचान रखने वाली दंतेवाड़ा जिले की किरंदुल नगरी इन दिनों भक्ति रस में डूबी हुई हैं। 50-50 पैसे के अंशदान से बना ऐतिहासिक श्री राघव मंदिर अब एक नए अध्याय की ओर बढ़ रहा है,जहाँ नई प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी शुरू हो गई है। बैलाडीला की लाल लौह पहाड़ियों के नीचे बसा किरंदुल जहाँ आस्था और श्रमिक एकता की एक अनोखी मिसाल है श्री राघव मंदिर। एनएमडीसी में उत्पादन शुरू होने के दौर,यानी 1969 में श्रमिकों ने 50-50 पैसे का अंशदान और श्रमदान कर जंगलों के बीच इस मंदिर की नींव रखी थीं।1972 में विधिविधान से प्राण प्रतिष्ठा हुई और

समय के साथ यह मंदिर बस्तर संभाग के प्रमुख श्रीराम मंदिरों में गिना जाने लगा।लेकिन हाल ही में वर्षों पुराना शिवलिंग खंडित हो गया। परंपरा के अनुसार रुद्राभिषेक, हवन और विशेष पूजा के बाद शिवलिंग को सफेद वस्त्र से ढककर भावुक माहौल में विदाई दी गई।पुराने खंडित शिवलिंग को गोदावरी नदी में विसर्जित किया गया हैं।प्रधान पुजारी सत्येंद्र प्रसाद शुक्ला बताया कि अब मंदिर में शिव-पार्वती, गणेश और कार्तिकेय की एकीकृत संगमरमर प्रतिमा स्थापित की जाएगी, जिसे राजस्थान के मकराना में तैयार कराया गया हैं। 12 से 16 फरवरी तक भव्य अनुष्ठान और नई प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा होगी, पूरा नगर भक्तिमय माहौल में रहेगा।

भाजपा मंडल भानुप्रतापपुर में केंद्रीय बजट का सामुदायिक प्रसारण व चर्चा कार्यक्रम

भानुप्रतापपुर। केंद्रीय प्रदेश एवं जिला नेतृत्व के आह्वान पर भारतीय जनता पार्टी मंडल भानुप्रतापपुर द्वारा केंद्रीय बजट 2026 का लाइव प्रसारण सामुदायिक भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ता, व्यापारी जगत के प्रतिनिधि, पत्रकार बन्धु, अधिवक्ता संघ के वकील, महिला मोर्चा की नेत्रियाँ तथा बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे। यहां सभी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए बजट भाषण को ध्यान से सुना और उसके प्रभावों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा छत्तीसगढ़ प्रदेश के उपाध्यक्ष सतीश लटिया जी तथा जिला उपाध्यक्ष बृजेश चौहान की विशेष उपस्थिति रही अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष डिगेश खापर्डे और संचालक महामंत्री राजीव श्रीवास रहे, बजट 2026 कार्यक्रम के मंडल

संयोजक प्रदीप जैन की भूमिका भी सार्थक रही । आभार प्रदर्शन महामंत्री गिरधारी नरेटी ने किया। बजट से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण बिंदुः वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का यह लगातार नौवां केंद्रीय बजट है, जिसे संसद में पेश किया गया। बजट में पूंजीगत व्यय को बढ़ाकर लगभग 12.2 लाख करोड़ रुपए किया गया है, जो इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास को बढ़ावा देगा। नए इनकम टैक्स बिल से टैक्स प्रणाली को सरल बनाने की कोशिश की गई है और नई टैक्स स्लैब के अनुसार अधिकतर मध्यम आय वर्ग को लाभ मिलने की संभावना आयकर में राहतः नए टैक्स नियम के तहत 12 लाख तक की आय पर टैक्स बिलकुल नहीं होगा (अन्य कटौतियों सहित कुछ मामलों में 12.75 रुपए लाख तक भी राहत संभव है)। बजट में स्टैंडर्ड डिडक्शन, ञ्रष्ठस/ञ्रष्टस नियमों में सरलीकरण, और ख्स्स्श्वह्य तथा कृषि के लिए प्रोत्साहन योजनाओं को बढ़ावा दिया गया। कार्यक्रम में बजट 2026 के आर्थिक दृष्टिकोण, नागरिकों की जीवनशैली पर प्रभाव, कर ढांचे के बदलाव, तथा व्यापार, कृषि, महिला व युवा रोजगार के अवसरों पर सार्थक चर्चा हुई। सभी ने मिलकर निर्णय लिया कि इस बजट को सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से समझकर स्थानीय स्तर पर जनता को जागरूक किया जाएगा ताकि इसका लाभ हर वर्ग तक पहुँच सके। प्रदर्शन के पश्चात उपस्थित लोगों ने आयोजन की सफलता पर संतोष व्यक्त किया और भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखने का सुझाव दिया गया। कार्यक्रम में टैक्स सलाहकार निशांत ठाकुर, पत्रकार मीडियाकर्मी साथी राजकुमार दुबे, रिपुदमन सिंह बैस, खिलेश्वर नेताम, अरुण रावत, भारतीय जनता पार्टी जिला महामंत्री राजा पाण्डेय,पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष अरविंद जैन, पूर्व कार्यालय मंत्री रत्नेश सिंह जिला महामंत्री अनुसूचित जाति मोर्चा वरुण खापर्डे।

आदिवासी अंचल की बेटी बनी नारी शक्ति की पहचान

सुकमा। सुकमा जिले के ग्राम पाकेला की आदिवासी बेटी एवं छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्या अधिवक्ता दीपिका शोरी को महिला सशक्तिकरण, बालिका शिक्षा, सामाजिक सेवा और नारी गरिमा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए रायपुर में भारतीय स्त्री शक्ति छत्तीसगढ़ प्रान्त द्वारा प्रदेश स्तरीय सावित्रीबाई फुले सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें विशेष रूप से आदिवासी एवं वंचित अंचलों में वर्षों से किए जा रहे जमीनी कार्यों के लिए प्रदान किया गया। बस्तर और सुकमा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में दीपिका शोरी ने बालिका शिक्षा, बाल विवाह, घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न एवं सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध निरंतर संघर्ष करते हुए महिलाओं में न्याय, आत्मविश्वास और जागरूकता का संचार किया

है। एक अधिवक्ता एवं महिला आयोग की सदस्या के रूप में उन्होंने ग्रामीण व दूरस्थ इलाकों में जनसुनवाई, परामर्श शिविर और जागरूकता अभियानों के माध्यम से सैकड़ों महिलाओं को न्याय दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। सम्मान ग्रहण करते हुए उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उन आदिवासी महिलाओं और बेटियों की जीत है, जिनके अधिकारों और सम्मान के लिए वे लगातार संघर्षरत हैं।

संक्षिप्त समाचार

एलटीटी-कामाख्या-एलटीटी कर्मभूमि एक्सप्रेस का न्यू माल स्टेशन में ठहराव की सुविधा

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग व उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे अलीपुरद्वार मंडल के न्यू माल स्टेशन में गाड़ी संख्या 22511/22512 एलटीटी-कामाख्या-एलटीटी कर्मभूमि एक्सप्रेस का प्रायोगिक ठहराव की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है । दिनाँक 05 फरवरी 2026 से गाड़ी संख्या 22511 एलटीटी-कामाख्या कर्मभूमि एक्सप्रेस न्यू माल स्टेशन में ठहराव के साथ चलेगी। यह गाड़ी न्यू माल स्टेशन 06.48 बजे पहुंचेगी तथा 06.50 बजे रवाना होगी दिनाँक 08 फरवरी 2026 से गाड़ी संख्या 22512 कामाख्या-एलटीटी कर्मभूमि एक्सप्रेस न्यू माल स्टेशन में ठहराव के साथ चलेगी। यह गाड़ी न्यू माल स्टेशन 01.03 बजे पहुंचेगी तथा 01.05 बजे रवाना होगी

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के यांत्रिक विभाग का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के यांत्रिक विभाग ने जनवरी 2026 तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं । बेहतर योजना, तकनीकी उन्नयन और कर्मचारियों की प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप वैगन अनुरक्षण, मरम्मत एवं कोच ओवरहॉलिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल हुई हैं । रायपुर मंडल के भिलाई वैगन कॉम्प्लेक्स ने जनवरी 2026 में 1,311 वैगनों का अनुरक्षण कर दिसंबर 2025 के 1,301 वैगनों के पूर्व रिकॉर्ड को पार किया । इसी क्रम में जनवरी 2026 में 1,591 वैगनों का सर्वाधिक मासिक रूटीन ओवरहालिंग (आरओएच) आउटटर्न दर्ज किया गया, जो 37.18 प्रतिशत की संचयी वृद्धि को दर्शाता है । रायपुर वैगन रिपेयर शॉप द्वारा जनवरी 2026 में 537 वैगनों का अब तक का सर्वाधिक मासिक पीरियोडिकल ओवरहालिंग (पीओएच) आउटटर्न प्राप्त किया गया। वहीं, मोतिबाग कार्यशाला ने कोच पीरियोडिकल ओवरहालिंग (पीओएच) में 38.32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य से 24 प्रतिशत अधिक प्रदर्शन किया। वर्ष-दर-वर्ष उल्लेखनीय वृद्धि (वित्तीय वर्ष 2024-25 की तुलना में 2025-26) रूटीन ओवरहालिंग (आरओएच) वैगन आउटटर्न: 11,178 से बढ़कर 15,334 वैगन वैगन पीरियोडिकल ओवरहालिंग (पीओएच) (रायपुर): 4,400 से बढ़कर 4,733 वैगन कोच पीरियोडिकल ओवरहालिंग (पीओएच) (नागपुर): 287 से बढ़कर 397 कोच तकनीकी उन्नयन में अग्रणी भिलाई वैगन कॉम्प्लेक्स रायपुर मंडल के रूटीन ओवरहालिंग (आरओएच) डिपो, पीपी यार्ड, भिलाई वैगन कॉम्प्लेक्स में अत्याधुनिक तकनीकी प्रणालियाँ स्थापित की गई हैं, जिनमें कम्प्यूटरीकृत सिंगल वैगन टेस्ट रिग, कम्प्यूटरीकृत रेक टेस्ट रिग, कम्प्यूटरीकृत डीवी टेस्ट बेंच, मोटराइज्ड बोगी एवं बोल्स्टर मैनिपुलेटर तथा एआईआधारित वैगन निरीक्षण प्रणाली शामिल हैं। इन नवाचारों से परीक्षण समय में कमी, एयर ब्रेक परीक्षण में उच्च सटीकता, मानवीय त्रुटियों में न्यूनता तथा भौतिक रिकॉर्ड के रख-रखाव में उल्लेखनीय कमी आई है। संरक्षा नवाचार एवं कर्मचारी कल्याण कर्मचारियों की संरक्षा सुनिश्चित करने हेतु परीक्षण यार्ड में पर्यावरण-अनुकूल बाँस से निर्मित बाहुबली फेंसिंग स्थापित की गई है, जिससे रनिंग लाइन से स्पष्ट पृथक्करण सुनिश्चित हुआ है। इसके अतिरिक्त, मालगाड़ी गार्डों की सुविधा के लिए ब्रेक वैन उन्नयन कार्य प्रगति पर है, जिसमें आधुनिक बैठने की व्यवस्था एवं आवश्यक सुविधाएँ आरडीएसओ के दिशानिर्देशों के अनुसार उपलब्ध कराई जा रही हैं। उच्च वैगन आउटटर्न के परिणामस्वरूप लोडिंग के लिए वैगनों की उपलब्धता में वृद्धि हुई है, जिससे राजस्व सृजन में सुधार तथा परिचालन दक्षता के नए मानक स्थापित हुए हैं। यह उपलब्धि यांत्रिक विभाग के समर्पित प्रयासों और कर्मचारियों की टीम भावना का प्रत्यक्ष प्रमाण है, जिससे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की आय एवं प्रतिष्ठा में निरंतर वृद्धि हो रही है।

कोरबा पुलिस का सड़क सुरक्षा माह सफलता पूर्वक संपन्न हुआ

कोरबा। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कोरबा पुलिस द्वारा 01 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक सड़क सुरक्षा माह का सफल आयोजन किया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक कोरबा श्री सिद्धार्थ तिवारी के मार्गदर्शन में जिले के समस्त थाना एवं चैकी क्षेत्रों में प्रभावी रूप से संचालित किया गया। सड़क सुरक्षा माह के समापन अवसर पर करतला से हाटी रोड पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कोरबा कलेक्टर श्री कुणाल देवदत्त एवं पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस दौरान सड़क किनारे स्थित पेड़ों पर कलर एवं रेडियम पट्टी लगाए जाने का अभियान चलाया गया। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने स्वयं श्रमदान करते हुए पेड़ों पर रेडियम पट्टी लगाई और रात्रि के समय वाहन चालकों को बेहतर दृश्यता उपलब्ध कराने का संदेश दिया, ताकि दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

ऐतिहासिक धान खरीदी या ऐतिहासिक छल ?

3 लाख किसान आज भी इंतज़ार में-अंकित गौरहा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा धान खरीदी को ऐतिहासिक बताए जाने के दावों के बीच ज़मीनी स्तर पर किसान आज भी परेशान हैं। बेलतरा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नगोई के किसान भानु प्रकाश शर्मा का मामला धान खरीदी व्यवस्था में गंभीर प्रशासनिक लापरवाही और असंवेदनशीलता को उजागर करता है। किसान भानु प्रकाश शर्मा ने बताया कि उन्होंने शासन के नियमों के तहत धान उपार्जन केंद्र नगाई में अपनी उपज का पंजीयन कराया था। कुल 12 एकड़ 36 डिसमिल भूमि के आधार पर 255.20 क्विंटल धान विक्रय हेतु पंजीकृत किया गया था। इसके बावजूद भौतिक सत्यापन में नोडल अधिकारी द्वारा भारी त्रुटि करते हुए धान की मात्रा को मात्र 46.80 क्विंटल दर्शा दिया गया।इस गलती को सुधारने के लिए किसान द्वारा समय रहते संबंधित अधिकारियों को आवेदन दिया गया। नोडल अधिकारी ने स्वयं त्रुटि स्वीकार करते हुए जिला विपणन अधिकारी को सुधार हेतु पत्र भी प्रेषित किया, जिसकी पावती भी किसान को दी गई। इसके बावजूद 30 जनवरी 2026 को धान खरीदी की अंतिम तिथि समाप्त हो जाने के

बाद भी न तो त्रुटि सुधारी गई और न ही किसान को टोकन प्रदान किया गया। धान विक्रय न हो पाने के कारण किसान पर सहकारी समिति एवं बैंक का ?2,20,742 का कर्ज बना हुआ है, जिससे उन्हें मानसिक, आर्थिक और सामाजिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस नेता अंकित गौरहा ने इस मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा—सरकार कहती है—धान खरीदी ऐतिहासिक है, लेकिन आंकड़े कहते हैं कि प्रदेश में करीब 3 लाख किसानों का धान अब तक नहीं बिक पाया है। क्या यही है किसान-हितैषी सरकार? क्या समर्थन मूल्य सिर्फ कागजों तक सीमित रह गया है? उन्होंने आगे बताया कि बेलतरा सहित कई क्षेत्रों में किसान आज भी निर्णय, तारीख और भुगतान के इंतज़ार में खड़ा है। गलत भौतिक सत्यापन, समय पर सुधार न होना और खरीदी तिथि समाप्त हो जाना किसानों को कर्ज़ और संकट की ओर धकेल रहा है।इसी गंभीर स्थिति को लेकर बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के किसानों के साथ कलेक्टर महोदय को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें धान खरीदी की तिथि आगे बढ़ाने तथा बचे हुए सभी किसानों का धान तत्काल खरीदने की मांग प्रमुख रूप से रखी गई तथा कांग्रेस नेता ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र निर्णय लेकर किसानों का धान नहीं खरीदा गया, तो किसान हित में आंदोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

एसईसीएल मुख्यालय के 3 कर्मियों को सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी.....

बिलासपुर। दिनांक 31.01.2026 को एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर से सेवानिवृत्त होने वाले 3 कर्मियों को निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास के मुख्य आतिथ्य, विभिन्न विभागाध्यक्षों, श्रम संघ प्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में मुख्यालय बिलासपुर स्थित सीएमडी कक्ष में शाल, श्रीफल, पुष्पहार से सम्मानित कर समस्त भुगतान का चेक प्रदान कर भावभीनी विदाई दी गयी। सेवानिवृत्त होने वालों में श्री उमेश कुमार गुप्ता वरीय प्रबंधक (खनन) भूमिगत खदान विभाग, श्री प्रेम सिंह कालवी कार्यालय अधीक्षक ए-1 उत्खनन विभाग, श्रीमती अनिता कड़वे लिपिक ग्रेड-1 निदे. तक. (यो.परि.) सचिवालय शामिल रहे। निदेशक

(मानव संसाधन) श्री बिरंची दास ने अपने उद्बोधन में कहा कि सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी-कर्मचारी अपनी कार्यकुशलता और समर्पण से एसईसीएल को सफलता की नई ऊँचाइयों तक लेकर गए हैं। उनके योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा। प्रबंधन ने सभी के उवल भविष्य और सुखद पारिवारिक जीवन की कामना की। सेवानिवृत्त अधिकारी और कर्मचारियों ने भी कम्पनी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि एसईसीएल में कार्य करना गौरव का विषय रहा। उन्होंने कहा कि यहाँ के अधिकारी और कर्मचारी कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करते हैं और किसी भी जिम्मेदारी को पूर्ण निष्ठा से निभाते हैं। कार्यक्रम का संचालन एवं सेवानिवृत्त कर्मियों का परिचय उप प्रबंधक (राजभाषा) श्रीमती सविता निर्मलकर ने सफलतापूर्वक किया।

महिला कल्याण समाज इंदिरा विहार द्वारा रुद्राभिषेक ,हवन आरती एवं भंडारे का आयोजन

बिलासपुर। महिला कल्याण समाज, SECL इंदिरा विहार के सदस्यों द्वारा धार्मिक एवं सामाजिक समरसता के उद्देश्य से रुद्राभिषेक, हवन एवं आरती का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम इंदिरा विहार स्थित रामेश्वरम शिवालय मंदिर में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। यह सम्पूर्ण कार्यक्रम सचिव श्रीमती माधुरी तिवारी के नेतृत्व में संपादित हुआ। इस अवसर पर महिला कल्याण समाज की महिलाओं द्वारा मंदिर में पीतल का घंटा भेंट स्वरूप चढ़ाया गया, जो समाज की ओर से आस्था एवं समर्पण का प्रतीक है। कार्यक्रम के उपलक्ष्य में विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस आयोजन में नीति श्रीवास्तव,

सुप्रभा आचार्य, सरिता चौहान, सरोज वस्त्राकर, संतोषी मेहता, पुष्पा पटेल, प्रभा तिवारी, राखी कोस्टा, माया राव, शेफाली घोष, दिव्या भौमिक, कविता घोष, भारती सिन्हा, गीता रावत, सीमा दिग्ग्रस्कर सुनीता जायसवाल, माया कपा ले , शशि सोनी, सविता शर्मा सहित अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।महिला कल्याण समाज की सदस्यों ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा, आपसी सौहार्द एवं सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

एसईसीएल ने टीबी एवं फेफड़ों की बीमारियों के लिए एआई-सक्षम मोबाइल मेडिकल यूनिट परियोजना हेतु किया समझौता

बिलासपुर। कोरबा जिले में 'प्रोजेक्ट SHWAS के क्रियान्वयन के लिए ?4.99 करोड़ की सीएसआर सहायता मंजूर सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने टीबी एवं अन्य फेफड़ों से संबंधित रोगों की रोकथाम एवं उपचार हेतु 'प्रोजेक्ट SHWAS के क्रियान्वयन के लिए आश्रय फाउंडेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह परियोजना एसईसीएल की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के अंतर्गत कोरबा जिले में संचालित की जाएगी, जिसके लिए ?4.99 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। एमओयू पर हस्ताक्षर एसईसीएल मुख्यालय में निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुए। इस अवसर पर एसईसीएल की ओर से श्री सी. एम. वर्मा, महाप्रबंधक (सीएसआर) तथा आश्रय फाउंडेशन की ओर से श्री नलिन जोहरी, कार्यकारी निदेशक ने एमओयू का आदान-

प्रदान किया। कार्यक्रम में एसईसीएल के सीएसआर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। प्रोजेक्ट SHWAS छत्तीसगढ़ राज्य में अपनी तरह की पहली एआई-आधारित मोबाइल मेडिकल यूनिट परियोजना होगी, जिसके माध्यम से टीबी एवं अन्य फेफड़ों की बीमारियों की घर-घर जाकर जांच, शीघ्र पहचान तथा उपचार से जोड़ने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। परियोजना के अंतर्गत निवारक, संवर्धनात्मक एवं ओपीडी आधारित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी, जिससे समय पर उपचार सुनिश्चित किया जा सकेगा। परियोजना के प्रमुख घटकों में प्री-टीबी लक्षणों का प्रारंभिक उपचार एवं प्राथमिक चिकित्सा सहायता, उपचार अनुपालन की निगरानी एवं फॉलो-अप, टीबी रोगियों के लिए देखभाल एवं स्वच्छता किट, मासिक पोषण एवं वेलनेस किट के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य परामर्श सेवाएं भी शामिल हैं।

सीआरपीएफ जवान से पैरा तीरंदाज बने तोमन कुमार,राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रचा इतिहास

बिलासपुर। कहते हैं कि जब इरादे मजबूत हों, तो विपरीत परिस्थितियाँ भी रास्ता रोक नहीं पातीं। इस कथन को साकार कर दिखाया है बिलासपुर के राज्य प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण ले रहे पैरा तीरंदाज तोमन कुमार ने, जिन्होंने 7वीं एनटीपीसी पैरा राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। 30 जनवरी से 2 फरवरी 2026 तक एनएसआईएस पटियाला (पंजाब) में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में तोमन कुमार ने व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक तथा टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर राज्य को दोहरी सफलता दिलाई। टीम स्पर्धा में उन्होंने अमित कीर्तनिया के साथ मिलकर यह उपलब्धि हासिल की। बालोद जिले के निवासी तोमन कुमार पिछले दो वर्षों से बिलासपुर आर्चरी एकेडमी में तीरंदाजी का नियमित प्रशिक्षण ले रहे हैं। वे छत्तीसगढ़ पैरा तीरंदाजी टीम के मुख्य प्रशिक्षक श्री मनमोहन पटेल के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रहे हैं। उनके प्रशिक्षण सफर में प्रशिक्षक श्री पंकज सिंह का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उल्लेखनीय है कि तोमन कुमार सीआरपीएफ के जवान रह चुके हैं। नक्सल ऑपरेशन के दौरान हुए आईईडी ब्लास्ट में उन्होंने अपना बायाँ पैर खो दिया, लेकिन इस कठिन हादसे ने उनके हौसले को कमजोर करने के बजाय और अधिक सशक्त बना दिया। जीवन की इस बड़ी चुनौती के बाद उन्होंने खेल को अपना संबल बनाया और पैरा तीरंदाजी में नया मुकाम हासिल किया। तोमन कुमार का सपना है कि वे भविष्य में पैरा ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करें और अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश, राज्य एवं जिले का नाम गौरवान्वित करें। वर्ष 2017 से पूर्व वे सक्रिय रूप से देश सेवा में कार्यरत रहे और आज भी उसी राष्ट्रभक्ति और जज्बे के साथ खेल के मैदान में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। तोमन कुमार की इस ऐतिहासिक सफलता से बिलासपुर सहित पूरे छत्तीसगढ़ में खेल प्रेमियों में उत्साह और गर्व का माहौल है। उनकी संघर्षगाथा न केवल पैरा खिलाड़ियों बल्कि सामान्य युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत है। आज तोमन कुमार केवल एक सफल पैरा तीरंदाज ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के पैरा खेल जगत के लिए एक युथ आइकॉन के रूप में उभरकर सामने आए हैं। उनकी इस उपलब्धि पर प्रदेश में पैरा खेलों को नई पहचान, आत्मविश्वास और दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर में अखिल भारतीय अंतर रेलवे सांस्कृतिक प्रतियोगिता (संगीत) का शुभारंभ किया..

- आज आयोजित प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभाशाली कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों का श्रोताओं ने खूब आनंद लिया

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर में आज दिनांक 2 एवं 3 फरवरी 2026 को आयोजित की जा रही दो दिवसीय अखिल भारतीय अंतर रेलवे सांस्कृतिक प्रतियोगिता (संगीत) का आज शुभारंभ न्यू ऑडिटोरियम, तितली चौक, रेलवे कॉलोनी, बिलासपुर में हुआ। इस अखिल भारतीय स्तर की सांस्कृतिक प्रतियोगिता में भारतीय रेलवे के विभिन्न जोनों, उत्पादन इकाइयों एवं कारखानों से कुल 22 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (बीएलडब्ल्यू), चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स (सीएलडब्ल्यू), मध्य रेलवे, ईस्ट कोस्ट रेलवे, पूर्व रेलवे, इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ), मेट्रो रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे, उत्तर रेलवे, उत्तर पश्चिम रेलवे, रेलवे बोर्ड, रेल कोच फैक्ट्री, अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ), दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे, दक्षिण रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे तथा पश्चिम रेलवे शामिल हैं। आज प्रथम दिन की प्रतियोगिता का आयोजन सुगम संगीत (लाइट म्यूजिक गायन) एवं शास्त्रीय गायन विधाओं में किया गया। विभिन्न रेल जोनों से आए प्रतिभाशाली कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से पूरे सभागार में शमा बांध दिया, वहीं उपस्थित श्रोताओं ने संगीत की इन उत्कृष्ट प्रस्तुतियों का खूब आनंद लिया। प्रतियोगिता का आयोजन प्रात: 8 बजे से देर शाम तक किया जा रहा है। कल दिनांक 3 फरवरी 2026 को प्रतियोगिता के अंतर्गत सुगम वादन एकल एवं शास्त्रीय वादन एकल की प्रस्तुतियाँ होंगी। इसके पश्चात सायंकाल प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसके मुख्य अतिथि महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे श्री तरुण प्रकाश होंगे । विशिष्ट अतिथि अध्यक्षा, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (सेक्रो) श्रीमती मीनाक्षी शर्मा होंगी। यह सांस्कृतिक प्रतियोगिता भारतीय रेलवे की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा एवं अंतर्निहित प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

थायराइड और वजन घटाने में रामबाण है धनिए का पानी

इम्यूनिटी होगी बूस्ट
धनिया आपके इम्यूनिटी लेवल को बढ़ाने के लिए जाना जाता है, इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर में फ्री रेडिकल्स को कम करने में मदद करता हैं।

बालों के लिए बेहतरीन-
विटामिन के, सी और ए जैसे विटामिनों से भरपूर होने की वजह से ये बालों को मजबूत बनाने और ग्रोथ के लिए बहुत जरूरी हैं। सुबह धनिए का पानी पीने से आपके बालों का झड़ना और टूटना कम होता है।

थायराइड में फायदेमंद-
रिपोर्टस कि मानें तो थायराइड के पेशेंट के लिए धनिया का पानी अमृत है। धनिया के पानी से दोनों तरह के थायरॉइड असंतुलन का इलाज किया जा सकता है।

डीटॉक्स होती है बॉडी-
धनिया एक मूत्रवर्धक है, और इसलिए आपके शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालने में आपको मदद मिलती है। सुबह धनिए का पानी पीने से आप अपने सिस्टम को डिटॉक्स कर सकते हैं।

वेट लॉस में मिलती है मदद-
धनिया में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट फ्री रेडिकल्स को कम करने में मदद करते हैं और आपके वजन को कम करने में भी मदद करता है।

कैसे बनाएं धनिया का पानी?
इसे बनाने के लिए एक चम्मच धनिया के बीज को 5 मिनट के लिए पानी में उबाल लें। इसे तब तक उबालें जब तक पानी आधा न हो जाए। फिर इसे छानें और पीएं।

धनिए के बीज के पानी से किसे बचना चाहिए?
धनिया के बीज का आमतौर पर कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है, लेकिन इसके बीज से एलर्जी पैदा हो सकती है। इससे रेडनेस और खुजली हो सकती है। हालांकि, गर्भवती महिलाओं को धनिए के बीज का ज्यादा मात्रा में सेवन नहीं करना चाहिए।

वेट लॉस के लिए कैसे बनाएं धनिया का पानी
धनिए का पानी बनाना बहुत ही आसान है। आपको बस एक चम्मच धनिया का बीज लेना है और उन्हें एक गिलास पानी में रात भर भिगोना है। सुबह पानी को छानकर पी लें। भीगे हुए बीजों को फेंके नहीं क्योंकि आप उन्हें खाना पकाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

लंबे समय तक बना रहेगा मेकअप

त्योहारों पर हर कोई खास दिखना चाहता है। ऐसे में आउटफिट्स से लेकर जूलरी तक तो सभी ध्यान दे लेते हैं, लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि छोटी-छोटी चीजें इग्नोर करने से आपका पूरा ही लुक बिगड़ जाता है। मेकअप के साथ भी कुछ ऐसा ही है। आप अगर छोटे-छोटे टिप्स का ख्याल नहीं रखते, तो इससे आपका मेकअप खराब हो सकता है। वहीं, जाहिर-सी बात है कि पूजा-पाठ के दौरान बार-बार मेकअप को सेट करने का आपके पास टाइम भी नहीं होता है, इसलिए आपको ये हैक्स जरूर फॉलो करने चाहिए, जिससे कि आपका मेकअप लॉन्ग लास्टिंग रह सके।

क्लीजिंग करें

सबसे पहले अपने चेहरे पर माइल्ड क्लींजर का इस्तेमाल करें। माइल्ड क्लींजर का मतलब सिर्फ फेस वॉश का इस्तेमाल नहीं है बल्कि आपको इससे अपने चेहरे से डेड स्किन भी रिमूव करनी चाहिए। इसके लिए तीन चम्मच कच्चा दूध ले लें और अब इसमें एक चम्मच एलोवेरा जेल डालें। इसे मिलाकर चेहरे पर मसाज करें और चेहरा साफ कर लें।

मॉइश्चराइजर क्रीम लगाएं

चेहरे पर कभी भी डायरेक्ट मेकअप न करें। अपने चेहरे को हाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। चेहरे पर मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं। इससे आपका मेकअप खराब नहीं होगा। आपकी स्किन अगर ऑयली है, तो जेल बेस्ड मॉइश्चराइजर लगाएं।

बनाना पाउडर

बनाना पाउडर का टेक्सचर थोड़ा येलो होता है इसलिए यह इंडियन स्किन टाइप के हिसाब से अच्छा ऑप्शन है। आप बनाना पाउडर को लास्ट में लगाएं। इससे आपका मेकअप ज्यादा ऑयली नहीं लगेगा और आपको पसीने भी कम आएंगे।

एलोवेरा जेल

आपकी स्किन अगर सुपर ड्राय है, तो आप प्राइमर की जगह एलोवेरा जेल भी लगा सकते हैं। यह भी प्राइमर की तरह ही काम करता है। फिर इसके ऊपर फाउंडेशन लगाएं।

पेट लटकने पर महिलाओं को पहनना चाहिए ऐसी जींस

फैशन इंडस्ट्री में कई तरह के बदलाव होते रहते हैं, कुछ चीजें ट्रेंड में नई आती हैं, तो कुछ ट्रेंड से हमेशा के लिए खत्म हो जाती हैं। लेकिन जींस का फैशन जगत से गायब होना मुश्किल है। हां, ट्रेंड के मुताबिक इसके स्टाइल में बदलव जरूर होता है। जैसे स्ट्रेट फिट के बाद, बॉयफ्रेंड फिट और अब फ्लेयर्ड जींस की धूम है। ये कम्फर्टेबल होने के साथ ही स्टाइलिश दिखती हैं। हालांकि, जिन लोगों के पेट काफी बाहर होते हैं वह जींस से दूरी बना लेते हैं। क्यों इसमें पेट काफी ज्यादा दिखता है। ऐसे में आपको बता रहे हैं कुछ जींस टाइप के बारे में जो आपका पेट छिपाने में मदद कर सकती हैं।

पेट छिपाने के लिए किस तरह की जींस खरीदें-

1) **टमी टक जींस**- इस तरह की जींस आपके पेट को छुपाने में मदद कर सकती हैं। दरअसल इस तरह की जींस के ऊपरी हिस्से में टमी टकर आता है। जो बैली फैट को काफी हद तक छुपा सकता है। अगर आप जींस के साथ शर्ट या टॉप को टक करके पहनती हैं तो ये जींस बेहतरीन है। क्योंकि इसका फ्रंट लुक दिखने में काफी अच्छा लगता है।

2) **हाई वेस्ट जींस**- इस तरह की जींस आपके लटकटे पेट अंदर छिपा सकती हैं। ये जींस वेस्ट के ऊपर हिस्से में रहती है ऐसे में पेट को दबाया जा सकता है। हालांकि इसके साथ कछ फिटिंग टॉप या शॉर्ट टॉप पहनने से बचें क्योंकि इस तरह की जींस पेट को छिपा तो सकती है लेकिन इसमें शेप दिखाई देती है।

3) **फ्लेयर्ड जींस**- इन दिनों इस तरह की जींस काफी ज्यादा ट्रेंड में है। अगर आप अच्छी बॉडी शेप में दिखना चाहते हैं तो इस तरह की जींस बेहतरीन हैं। ये जींस एंकल तक फ्लेयर होती हैं ऐसे में इसमें पेट पूरी तरह से छिप जाता है। इसे स्टाइल करने के लिए आप कुछ टीशर्ट्स को पहन सकती हैं।

4) **वाइड लेग जींस**- ट्रेड को देखें तो इस तरह की जींस को लड़कियां खूब पसंद करती हैं। जींस में मेगा हाई राइज कट आपके पेट काफी हद तक छिपा देता है। इसके साथ एक अच्छे फुटवियर को पहनने पर आप काफी स्टाइलिश दिख सकती हैं।

कोई भी गंभीर बीमारी एक दिन में नहीं होती, बल्कि बीमारियों के भी चरण होते हैं। ऐसे में अगर आप शुरुआती संकेत या लक्षणों को समझ जाते हैं, तो आप समय रहते बीमारियों का इलाज करा सकते हैं। अर्थराइटिस बीमारी भी ऐसी ही है। यह बहुत ही दर्दनाक बीमारी है। उम्र बढ़ने के साथ यह बीमारी और भी खतरनाक होती जाती है। जोड़ों और हड्डियों के दर्द की यह बीमारी इतनी खतरनाक हो जाती है कि काम करना तक मुश्किल हो जाता है। ऐसे में बहुत जरूरी है कि आप इस बीमारी के शुरुआती लक्षणों के बारे में जरूर जानें।

पहचानें अर्थराइटिस के शुरुआती लक्षणों को

जोड़ों में दर्द होना
जोड़ों में दर्द गठिया का पहला संकेत है। इसमें दर्द के साथ जोड़ों में जलन जैसा महसूस होता है। यह दर्द इतना बढ़ जाता है कि चलना, पैर मोड़ना भी बहुत मुश्किल हो जाता है।

लाल दिखना
जोड़ों के आसपास लालिमा (Redness) भी दिखाई देती है। ज्यादातर मरीजों को यह शिकायत भी होती है। यह भी एक शुरुआती लक्षण है।

सूजन
जोड़ों में दर्द के साथ सूजन भी हो सकती है। यह सूजन घुटनों के आसपास ज्यादा होती है और इसे देखकर लगता जैसे आपको कोई चोट लगी हो। सूजन नीली और लाल रंग की दिखाई देती है।

सुबह के समय ज्यादा दर्द होना
कई मरीजों को सुबह के समय पैरों और हाथों के जोड़ों में ज्यादा दर्द होता है। खासतौर पर बदलते मौसम में हाथ-पैरों में दर्द ज्यादा होता है।

चलने-फिरने में परेशानी
आपको अगर चलने-फिरने में परेशानी और घुटनों में दर्द, चटकन जैसी प्रॉब्लम्स हों, तो समझ जाएं कि ये भी अर्थराइटिस के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं।

सूखी ब्रेड से बनाएं टेस्टी डिशेज

आप सूखी हुई ब्रेड को फेंकने की बजाय कई तरीकों से इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे न सिर्फ ब्रेड डस्टबिन में जाने से बच जाएगी। आइए, जानते हैं कैसे

बनाएं ड्राय से

एक बार ब्रेड का पैकेट खुलने के बाद इसे फ्रेश रखना बहुत ही मुश्किल हो जाता है। हम ब्रेड को कितना भी अच्छी तरह क्यों न रखें लेकिन यह सूखने लगती हैं। ऐसे में आप सूखी हुई ब्रेड को फेंकने की बजाय कई तरीकों से इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे न सिर्फ ब्रेड डस्टबिन में जाने से बच जाएगी बल्कि कई स्वादिष्ट पकवानों का जायका बढ़ाने के काम भी आएगी। आइए, जानते हैं कैसे करें ड्राय ब्रेड का रेसिपीज में इस्तेमाल।

क्रिस्पी पकौड़े या टिक्की
आपको अगर क्रिस्पी पकौड़े या टिक्की बनाने हैं, तो आप इसमें ब्रेड क्रम्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। ब्रेड को मिक्सी में डालकर चूरा बना लें। फिर इसे आप पकौड़े या टिक्की के घोल में डाल दें। पकौड़े ज्यादा क्रिस्पी और स्वादिष्ट बनेंगे।

ब्रेड रोल्स
आप ब्रेड रोल्स भी बना सकते हैं। आप सोच रहे होंगे कि आखिर सूखी हुई ब्रेड से ब्रेड रोल्स कैसे बनाए जा सकते हैं। इसके लिए आपको ब्रेड को गीला करना होगा। इसके बाद जिस तरह से ब्रेड रोल्स बनते हैं, बना लें।

सूप में डालें क्रूटोन्स
सर्दियों में सूप तो सभी को अच्छा लगता है। आप अगर स्वादिष्ट सूप बनाना चाहते हैं, तो आप सूखी ब्रेड का इस्तेमाल क्रूटोन्स बनाने में भी कर सकते हैं। इसके लिए ब्रेड को टोस्टर में डालकर सेंक लें।

ब्रेड पिज्जा
सूखी हुई ब्रेड का पिज्जा बना सकते हैं। इसके लिए आप अपनी फेवरेट सब्जियों का इस्तेमाल करके पिज्जा बना सकते हैं। इससे ब्रेड पिज्जा का स्वाद बहुत अच्छा लगता है।

लूज कपड़े होंगे फिटिंग

कभी-कभी ऐसा होता है कि लोकल मार्केट या ऑनलाइन वेबसाइट पर हमें कोई ड्रेस पसंद आ जाती है और हम उसे खरीद लेते हैं। हमें वह ड्रेस इतनी पसंद आती है कि हम ध्यान ही नहीं देते कि उस ड्रेस का साइज काफी बड़ा है। हमें लगता है कि हम इसकी फिटिंग कर लेंगे।

अपनाएं ये हैक्स
इसके अलावा एक कारण यह भी होता है कि ड्रेस इतनी ज्यादा सुंदर होती है कि आप इसके साइज पर ध्यान ही नहीं देते और जब आप कहीं जाने के लिए इस ड्रेस को पहनते हैं, तो ड्रेस की फिटिंग सही नहीं आती। ऐसे में आप ड्रेस को निकालने से अच्छा इसे टेम्परेरी फिटिंग कर सकते हैं। इसके लिए कई कवरअप हैक्स भी आपके काम आएंगे।

सेफ्टी पिन से फिट करें
आपके खरीदे हुए कपड़े की फिटिंग में अगर मामूली-सा अंतर है, तो आप इसे सेफ्टी पिन से भी खासतौर पर कंधों पर अंदर की तरफ से सेफ्टी पिन लगा लें। वहीं, अगर स्लीव्स लंबी हैं, तो आप इसे मोड़ भी सकते हैं।

बेल्ट लगाएं
आपकी ड्रेस अगर कमर से ज्यादा लूज हो रही है, तो आप इसके लिए बेल्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं। बेल्ट काफी स्टाइलिश भी लगती है और इससे आपकी लूज ड्रेस फिट भी नजर आएगी।

जैकेट कैरी करें
किसी ड्रेस के ऊपर डेनिम या फ्लोरल प्रिंट जैकेट भी बहुत अच्छी लगती हैं। इससे आपकी ड्रेस ज्यादा हाइलाइट भी नहीं होगी और आपका नया स्टाइल भी क्रिएट हो जाएगा। आप ड्रेस कलर के हिसाब से ही जैकेट कैरी करें, वरना डेनिम जैकेट लगभग हर ड्रेस के साथ मैच हो जाती है।

कफ से जकड़ गई है छाती

ये घरेलू उपचार दिलाएंगे चैन की सांस

सर्दियां शुरू होने के साथ बैक्टीरियल और वायरल इन्फेक्शन ने भी दस्तक दे दी है। ऐसे में गला खराब और खासी जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। यह सामान्य प्रक्रिया है। हालांकि कई बार यह तकलीफदेह हो जाता है। दरअसल शरीर में किसी पैथोजन के प्रवेश करने के साथ इम्यून सिस्टम एक्टिव हो जाता है। इसी के रिस्पॉन्स में म्यूकस बनने लगता है। इसमें पैथोजन्स, एलर्जी पैदा करने वाले कण या धूल-मिट्टी चिपक जाती है। खांसी के जरिए इसे शरीर से बाहर निकाला जाता है। कई दफा वायरल ठीक हो जाने के बाद यह कफ सीने में जकड़ा रहता है। इसको न निकाला जाए तो अंदर दूसरे इन्फेक्शंस भी हो सकते है। यहां जानें कुछ घरेलू उपचार।

पीएं खूब पानी
शरीर में कोई भी संक्रमण हो तो सबसे पहले पानी पीने पर फोकस करें। वायरल, बैक्टीरियल इन्फेक्शन या कफ जकड़ने पर भी यह नुस्खा काम करता है। पानी पीने से म्यूकस का गाढ़ापन कम होता है। आप अगर सिर्फ पानी नहीं पी पा रहे तो लिक्विड डाइट ज्यादा लें। सूप, ग्रीन टी या दूसरे गरम पेय भी फायदा करेंगे।

भाप देगी राहत
खांसी और कफ के समय भाप लेना भी फायदेमंद होता है। आप बाजार के स्टीमर यूज कर सकते हैं। इसके अलावा घर पर भी पानी उबालकर भाप बना सकते हैं। भाप लेने से गले का इन्फ्लेमेशन कम होता है। खांसी में भी राहत मिलती है।

शहद-नींबू करें ट्राई
गुनगुने पानी में नींबू का पानी और शहद मिलाकर पीएं। शहद में एंटी बैक्टीरियल प्रॉपर्टीज होती हैं। नींबू में विटामिन सी होता है जो आपकी इम्यूनिटी के लिए बेस्ट है। शहद को नैचुरल डिकंजेस्टेंट माना जाता है। यह गले के दर्द में भी राहत देता है।

गोल्डन मिल्क देगा आराम
फाइनली सोते समय आप हल्दी, काली मिर्च वाला दूध भी पी सकते हैं। इस दूध के फायदे कई बार बताए जाते रहे हैं। इसे गोल्डन मिल्क कहते हैं। हल्दी में एंटी इन्फ्लेमेट्री गुण होते हैं और यह ऐंटी बैक्टीरियल भी होती है।

चुकंदर और गुलाब का होममेड फेस पैक

15 दिनों में निखरेगा चेहरा

आप अगर पिंक ग्लो पाना चाहते हैं, तो आपको गुलाब और चुकंदर के इस फेसपैक के बारे में जरूर जानना चाहिए। इस फेसपैक को अगर लगातार 15 दिन लगा लेंगे, तो आपको अपने चेहरे पर पिंक ग्लो जरूर दिखेगा। यह बात सही है कि कोई भी फेसपैक रोजाना नहीं लगाना चाहिए लेकिन चुकंदर और गुलाब से बना यह फेसपैक बहुत माइल्ड है। आप इसे आसानी से रोजाना 15 दिनों तक चेहरे पर लगा सकते हैं। आप 20 मिनट से ज्यादा इसे फेसपैक को चेहरे पर नहीं लगाना है। आइए, जानते हैं कैसे बनाएं और अप्लाई करने का सही तरीका क्या है-

ऐसे बनाएं
इसे बनाने के लिए आपको फ्रेश गुलाब के फूल चाहिए। एक गुलाब का लाल या गुलाबी फूल लेकर इसे अच्छी तरह धो लें। अब आधा चुकंदर लेकर इसे छिलकर धो लें। चुकंदर को ग्रेट कर लें। इसमें एक चम्मच गेहूं का चोकर डालें। इसमें एक चम्मच एलोवेरा जेल भी डालें। अब गुलाब के पत्तों को पीसकर इसमें मिला दें। आखिर में चुकंदर डालें। इन्हें अच्छी तरह मिक्स कर लें। आपकी स्किन अगर ऑयली है, तो आप टी ट्री ऑयल की 3-4 ड्रॉप्स भी इसमें डाल सकते हैं। अच्छी तरह मिक्स कर लें। चेहरे को अच्छी तरह फेसवॉश से धोकर यह फेसपैक चेहरे और गर्दन पर अप्लाई कर लें।

इन बातों का रखें ध्यान
- आपको 20 मिनट से ज्यादा के लिए इसे अप्लाई नहीं करना है।
- फेसपैक सूख जाने के बाद इसे रगड़ने से बचें। पानी से इसे साफ करें।
- इसे नॉर्मल या ठंडे पानी से धोएं। फेसवॉश का इस्तेमाल न करें।
- धोने के बाद अच्छी-सी कोल्ड क्रीम चेहरे पर लगा लें।

चिया सीड्स से पाएं मोटापे से छुटकारा

बढ़ता मोटापा आज हर किसी के लिए एक बड़ी समस्या बन गया है। मोटापा न सिर्फ व्यक्ति के आत्मविश्वास को कम करता है बल्कि जल्द ही उसे कई रोगों का शिकार भी बना सकता है। अगर आप भी अपने बढ़ते मोटापे से परेशान हैं तो अपनी डाइट में चिया सीड्स को इस तरह से शामिल करें। आइए जानते हैं वेट लॉस जर्नी में कैसे मदद करता है चिया सीडिस और इसका सेवन करने से व्यक्ति को मिलते हैं क्या-क्या फायदे।

चिया सीड्स के फायदे
चिया सीड्स ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन, फाइबर, विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होने के कारण इम्यूनिटी को बूस्ट करके आपको लंबे समय तक भूख का अहसास नहीं होने देते । जिससे आपका पाचन तंत्र भी ठीक तरह से काम करता है। वेट लॉस के लिए मजबूत बूस्टर माने जाने वाले ये छोटे काले और सफेद बीज मिंट फैमिली से जुड़े हुए हैं और सुपरफूड के रूप में जाने जाते हैं। यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, जो लिपिड प्रोफाइल को बढ़ावा देते हैं और फैट के जमाव को कम करते हैं।

कितनी मात्रा में लेना चाहिए चिया सीड्स
वेट लॉस के लिए अगर चिया सीड्स का सेवन कर रहे हैं तो आप दिन में 2 बड़े चम्मच ले सकती हैं। चिया सीड्स को कभी भी ज्यादा मात्रा में न लें। इससे आपकी हेल्थ को नुकसान हो सकता है।

जिले में गुम मोबाइल पुलिस ने खोजा, 202 नग मोबाइल मिले

एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की बड़ी उपलब्धि

दुर्ग। जिले में गुम हुए मोबाइल फोन के आवेदनों के निराकरण हेतु वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, जिला दुर्ग द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में वर्ष 2023 से 2026 तक गुम हुए मोबाइल फोन से संबंधित आवेदनों का तकनीकी विश्लेषण कर खोजबीन की गई। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम द्वारा दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव, बालोद, बेमेतरा एवं रायपुर क्षेत्रों से विभिन्न कंपनियों के कुल 202 नग गुम मोबाइल फोन खोजकर बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 60 लाख रुपये है। बरामद मोबाइल फोन का विधिवत सत्यापन उपरांत संबंधित वास्तविक स्वामियों को वितरण किया गया।

उक्त कार्यवाही में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट टीम की उल्लेखनीय भूमिका रही।

इसी अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया तथा सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दोपहिया वाहन चालकों को अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने की शपथ दिलाई गई। आमजन को सुरक्षित यातायात व्यवहार अपनाने हेतु जागरूक किया गया। उक्त कार्यवाही में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, जिला दुर्ग के निरीक्षक प्रमोद कुमार सरिया के नेतृत्व में यूनिट के अधिकारी/कर्मचारियों एवं संबंधित थाना स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि यदि उनका मोबाइल फोन गुम अथवा चोरी हो गया है, तो तत्काल नजदीकी थाना में रिपोर्ट दर्ज कराएं। थाना रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत भारत सरकार के ष्टश्वढ्ढक्र पोर्टल (द्धह्लह्लश्च-ह्यः//222.ष्द्गद्बह्ल.द्दश1.द्बठ्ठ) पर स्वयं लॉगिन कर गुम मोबाइल की रिपोर्ट अनिवार्य रूप से दर्ज करें। रिपोर्ट दर्ज करने से पूर्व गुम मोबाइल नंबर को अनिवार्य रूप से आबंटित कराएं। पोर्टल पर रिपोर्ट दर्ज करने हेतु थाना रिपोर्ट की प्रति, गुम मोबाइल का बिल एवं आधार कार्ड आवश्यक होगा, जिसे निर्धारित स्थान पर अपलोड करना होगा। रिपोर्ट प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ह्ल्रक्क प्राप्त होगा।

अंत में ÷Submit" विकल्प चयन करने पर रिपोर्ट सफलतापूर्वक दर्ज हो जाएगी तथा संबंधित रिक्वेस्ट आईडी प्राप्त होगी, जिसे सुरक्षित रखना आवश्यक है। उक्त प्रक्रिया पूर्ण करने से गुम मोबाइल की खोज, ब्लॉकिंग एवं आगे की वैधानिक कार्यवाही में सहायता प्राप्त होती है।

बजट 2026 : छात्राओं के लिए वरदान साबित होगा हॉस्टल निर्माण का फैसला, दुर्ग की छात्राओं ने जताया आभार

दुर्ग। 2026-27 के केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल बनाने की घोषणा का दुर्ग में छात्राओं ने स्वागत किया है। दुर्ग जिले के महिला महाविद्यालय में अध्ययनरत अदिति मौर्य और खुशबू (निवासी जगदलपुर) ने इस बजट को 'दूरदर्शी' और 'महिला सशक्तिकरण' की दिशा में बड़ा कदम बताया है।

अदिति मौर्य

खुशबू

आवास की समस्या का होगा स्थायी समाधान– छात्राओं का कहना है कि उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए वनांचल और दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाली युवतियों को सबसे ज्यादा परेशानी सुरक्षित आवास को लेकर होती है। हॉस्टल की कमी के कारण कई छात्राएं अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं या पीजी (पेइंग गेस्ट) में रहती हैं, जहाँ उन्हें पढ़ाई के अनुकूल माहौल नहीं मिल पाता। बजट 2026 में घोषित जिला स्तरीय हॉस्टल सुविधा से अब छात्राओं को सुरक्षित और बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा।

STEM शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा– उल्लेखनीय है कि बजट में विशेष रूप से स्न्नश्वरू (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) क्षेत्र में छात्राओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रत्येक जिले में एक बालिका छात्रावास बनाने का प्रावधान किया गया है। छात्राओं ने इस पहल के लिए प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे महिलाएं अधिक आत्मनिर्भर और सशक्त बनेंगी।

सावधान! गुम मोबाइल से उड़ाए सवा लाख रुपये: दुर्ग पुलिस ने बिहार के कैमूर से पकड़ा साइबर ठग

भिलाई/छावनी/ विशेष संवाददाता। गुम हुए मोबाइल फोन का दुरुपयोग कर यूपीआई (UPI) के जरिए धोखाधड़ी करने वाले एक शातिर अंतर्राज्यीय आरोपी को दुर्ग पुलिस ने बिहार से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी ने प्रार्थी के खाते से 1.23 लाख रुपये पार कर दिए थे।

क्या है पूरा मामला?– प्रार्थी संतोष कुमार ने 06 मार्च 2024 को थाना छावनी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनका एमआई (स्ल्द्ब) कंपनी का मोबाइल फोन कहीं गुम हो गया है। मोबाइल में लगे सिम और फोन-पे (PhonePe) का फायदा उठाकर किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके खाते से 1,23,900 रुपये अन्य बैंक खातों में ट्रांसफर कर लिए। शिकायत पर पुलिस ने धारा 420, 34 भादवि के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की।

बिहार से जुड़ा धोखाधड़ी का तार– तकनीकी विवेचना और बैंक ट्रांजैक्शन की बारीकी से जांच करने पर पुलिस को पता चला कि ठगी की राशि सचिन किसपोट्टा (32 वर्ष), निवासी जिला कैमूर (बिहार) के खाते में जमा हुई है। साक्ष्य पुख्ता होते ही थाना छावनी की एक विशेष टीम को बिहार रवाना किया गया, जहां घेराबंदी कर आरोपी को हिरासत में लिया गया।

पूछताछ में कबूला जुर्म– दुर्ग लाए जाने के बाद कड़ी पूछताछ में आरोपी सचिन ने धोखाधड़ी की बात स्वीकार कर ली। पुलिस ने आरोपी के पास से बैंक खातों और डिजिटल लेन-देन से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए हैं। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

दुर्ग पुलिस की जरूरी सलाहः- साइबर सेल और दुर्ग पुलिस ने नागरिकों को सचेत करते हुए अपील की है किः मोबाइल फोन गुम होने पर सबसे पहले सिम ब्लॉक कराएं।

तत्काल बैंक और यूपीआई सेवा प्रदाता को सूचना देकर PI आईडी फ्रीज करवाएं।

नजदीकी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराएं ताकि आपके फोन का गलत इस्तेमाल न हो सके।

दुर्ग पुलिस का नशे के विरुद्ध बड़ी कार्रवाईः छावनी में गांजा बेचते दो तस्कर गिरफ्तार

80 हजार का माल बरामद

भिलाई/जामुल । दुर्ग पुलिस ने नशे के काले कारोबार के खिलाफ अपनी मुहिम तेज कर दी है। रविवार को जामुल थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बड़ी कार्यवाही करते हुए तिरंगा चौक, छावनी के पास घेराबंदी कर दो गांजा तस्करों को रंगे हाथों दबोचा। आरोपियों के पास से करीब डेढ़ किलो गांजा और नगद राशि बरामद की गई है।

पुलिस को देख भागने की कोशिश, घेराबंदी कर पकड़ाए– पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 01 फरवरी को जामुल पुलिस को सटीक सूचना मिली थी कि छावनी बस्ती क्षेत्र में कुछ लोग अवैध रूप से गांजे की पुड़िया बनाकर बेच रहे हैं। त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम ने तिरंगा चौक पर दबिश दी। पुलिस को देखते ही दोनों आरोपी भागने लगे, लेकिन सतर्क जवानों ने घेराबंदी कर उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान कल्याण वर्मा (35 वर्ष) निवासी छावनी बस्ती और लोकेश उईके (19 वर्ष) निवासी आदिवासी नगर, छावनी के रूप में हुई है। तलाशी लेने पर उनके पास से 01 किलो 530 ग्राम गांजा, बिक्री की नगद राशि और मोबाइल फोन बरामद किया गया। जप्त सामग्री की कुल अनुमानित कीमत लगभग 80,000 रुपये बताई जा रही है।

भेजे गए जेल, एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज– जामुल पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 70/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ख), 27(क) और 29 के अंतर्गत मामला दर्ज किया है। दोनों को न्यायालय में पेश करने के बाद केंद्रीय जेल दुर्ग भेज दिया गया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इनके तार और कहां-कहां जुड़े हैं।

इनकी रही सराहनीय भूमिका– इस सफल कार्यवाही में जामुल थाना प्रभारी निरीक्षक रामेन्द्र सिंह, उप निरीक्षक सौमित्री भोई, सहायक उप निरीक्षक महफूज खान सहित आरक्षक तोषण चन्द्राकर, चंदन सिंह, संतोष और अतुल यादव का विशेष योगदान रहा।

पुलिस की अपील– दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे नशे से खुद को और अपने परिवार को दूर रखें। यदि कहीं भी मादक पदार्थों की अवैध बिक्री की जानकारी मिले, तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। पुलिस ने साफ किया है कि नशे के खिलाफ यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

पीपरछेड़ी में एसटीएफ आवास का भारी विरोध : कलेक्ट्रेट पहुंचे सैकड़ों ग्रामीण

शासन के जमीन अधिग्रहण के फैसले के खिलाफ जमकर नारेबाजी की

दुर्ग /विशेष संवाददाता। दुर्ग जिले के पीपरछेड़ी गांव में एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) के लिए प्रस्तावित आवास निर्माण को लेकर विवाद अब सड़क पर उतर आया है। सोमवार को सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे और धरना देते हुए शासन के जमीन अधिग्रहण के फैसले के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है कि गांव की सामुदायिक जमीन किसी भी हाल में एसटीएफ को नहीं दी जाएगी।

मुक्तिधाम और खेल मैदान पर संकट– ग्रामीणों का आरोप है कि एसटीएफ लगभग 10 एकड़ ऐसी जमीन पर कब्जा करना चाहती है, जहां गांव का मुक्तिधाम, प्राचीन मंदिर और बच्चों का खेल मैदान स्थित है। ग्रामीणों ने बताया कि इस जमीन पर भविष्य में हाट-बाजार बनाने का प्रस्ताव है, जिससे स्थानीय लोगों को स्वरोजगार मिलेगा। इसे 'तानाशाही फैसला' बताते हुए ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रक्रिया नहीं रुकी, तो वे चक्काजाम और उग्र आंदोलन करेंगे।

ग्राम सभा ने सर्वसम्मति से पारित किया विरोध प्रस्ताव– पीपरछेड़ी की सरपंच ललिता निषाद ने बताया कि 28 जनवरी को आयोजित ग्राम सभा में 65 सदस्यों की मौजूदगी में सर्वसम्मति से प्रस्ताव (नंबर 18) पारित किया गया था। इस प्रस्ताव में स्पष्ट किया गया था कि गांव की जमीन एसटीएफ को नहीं दी जाएगी। सरपंच ने आरोप लगाया कि कलेक्टर को लिखित सूचना देने के बावजूद एसटीएफ की टीम गांव पहुंची और जांच के बहाने मिट्टी की खुदाई शुरू कर दी, जिसे ग्रामीणों ने एकजुट होकर रुकवा दिया।

विकास कार्यों के लिए आरक्षित है भूमि– सरपंच का कहना है कि यह जमीन गांव के भविष्य, बच्चों की शिक्षा और महिला सदन जैसे महत्वपूर्ण सामुदायिक कार्यों के लिए आरक्षित है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि एसटीएफ आवास के लिए किसी अन्य विकल्प पर विचार किया जाए और गांव की पैतृक व सामुदायिक संपदा को सुरक्षित रखा जाए। मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार हरिओम द्विवेदी ने बताया कि बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने कहा, ÷ग्रामीणों की आपत्तियों को कलेक्टर महोदय तक पहुंचा दिया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों को पूरे मामले से अवगत कराया जाएगा और सभी पक्षों की सुनवाई के बाद ही अग्रिम निर्णय लिया जाएगा।÷

2047 के विकसित भारत के निर्माण में छत्तीसगढ़ की बिजली बनेगी सबसे बड़ी ताकत - विधायक ललित चन्द्राकर

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के दौरान दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण, ललित चन्द्राकर ने प्रदेश की ऊर्जा शक्ति को राष्ट्र निर्माण का आधार बताया। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल)दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत संचारण-संधारण संभाग दुर्ग द्वारा सीएसआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित भव्य समारोह में उन्होंने विभाग की उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं को रेखांकित किया। मुख्य अतिथि की आसंदी से जनसमुदाय को संबोधित करते हुए श्री चन्द्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ बिजली के मामले में सरप्लस राज्य है, जो हमारी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में देश का सबसे बड़ा निवेश छत्तीसगढ़ में आएगा क्योंकि यहाँ पर्याप्त बिजली उपलब्ध है। जब भारत 2047 में विकसित राष्ट्र बनेगा, तब उसमें छत्तीसगढ़ की बिजली का योगदान सर्वोपरि होगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील किया कि वे अब ग्रीन एनर्जी की ओर कदम बढ़ाएं ताकि विकास के साथ पर्यावरण भी सुरक्षित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र साहू ने की। इस अवसर पर विभाग के प्रति समर्पित सेवा देने वाले रिटायर्ड अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही, समय पर बिजली बिल भुगतान और ऊर्जा संरक्षण करने वाले आदर्श घरेलू, कृषि और बीपीएल श्रेणी के उपभोक्ताओं तथा सर्वप्रथम सौर ऊर्जा अपनाने वाले उपभोक्ताओं को प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। समारोह स्थल पर बिजली विभाग द्वारा विशेष स्टाल और प्रोजेक्टर के माध्यम से पीएम सूर्य घर योजना एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। उपभोक्ताओं को बिजली की बचत और सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य प्रिया साहू,आशा विक्की मिश्रा, शीतला ठाकुर एवं विभिन्न सरपंचगण उपस्थित थे। विभागीय अधिकारियों में अधीक्षण अभियंता दुर्ग वृत्त आर. के. मिश्रा, कार्यपालन अभियंता संचारण-संधारण संभाग दुर्ग छगन शर्मा, सहायक अभियंता अविनाश दुबे एवं श्रीकांत बड़गैया सहित बड़ी संख्या में सहायक व कनिष्ठ अभियंता और कर्मचारी सक्रिय सहभागिता निभाई।

जर्जर पुल से मोरिदवासी परेशान जनदर्शन में 165 आवेदन पहुंचे

सहारा कंपनी से पैसे दिलाने जनदर्शन में लगाई गुहार

दुर्ग/ जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 165 आवेदन प्राप्त हुए।

इसी कड़ी में भिलाई चरोदा नगर निगम के वार्ड 39 ग्राम मोरिद निवासियों ने नहर के पुल को पुनर्निर्माण कराने आवेदन दिया। ग्रामवासियों ने बताया कि नहर पुल दुर्घटनाओं का कारण बन गया है। सड़क सीमेटीकरण के बाद पुल सड़क के बराबर हो गया है, जिसके कारण दुर्घटना होते रहती है। पुल पुराना और संकरा होने के साथ ही कचरे से भरा है, जिससे पानी की निकासी बाधित हो रही है और नहर का पानी सड़क पर बह रहा है। स्थानीय लोगों ने पुल के पुर्निर्माण की मांग की है। इसी प्रकार उप स्वास्थ्य केन्द्र मोरिद में बुनियादी सुविधाओं उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने बताया कि केन्द्र में एकमात्र ए.एन.एम. की ड्यूटी के कारण सप्ताह में कई दिन ओपीडी बंद रहती है। स्वास्थ्य

केंद्र में पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। शुगर व बीपी की दवाइयाँ लंबे समय से उपलब्ध नहीं है। बीपी मापने की मशीन छह माह से खराब है, वहीं शुगर जांच की स्ट्रिप्स न होने से मरीजों को परेशानी हो रही है, जिससे गरीब तबके के लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर डिप्टी

कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निरीक्षण कर आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने को कहा। सुपेला निवासी ने सहारा कंपनी में जमा राशि दिलाने आवेदन दिया। सहारा कंपनी में वर्ष 2015 में जमा की गई एफडी की राशि अब तक नहीं मिलने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि उसने कुल 8 एफडी में 1.50 लाख रुपये जमा किए थे। कंपनी में ऑनलाइन आवेदन किया गया था, जिसमें 45 दिनों के भीतर भुगतान का आश्वासन दिया गया था। लेकिन आवेदन के कई महीने बीत जाने के बावजूद अब तक एक भी पैसा नहीं मिला है। बार-बार ऑनलाइन स्टेटस चेक करने पर केवल प्रोसेस में है बताया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वह रोजी-मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता है और कर्ज लेकर जीवनयापन कर रहा है। लगातार आर्थिक दबाव के कारण वह मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रहा है। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने संबंधित नोडल अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

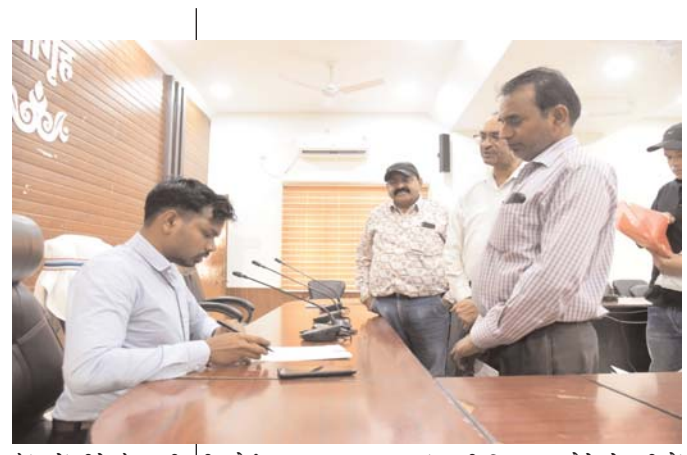

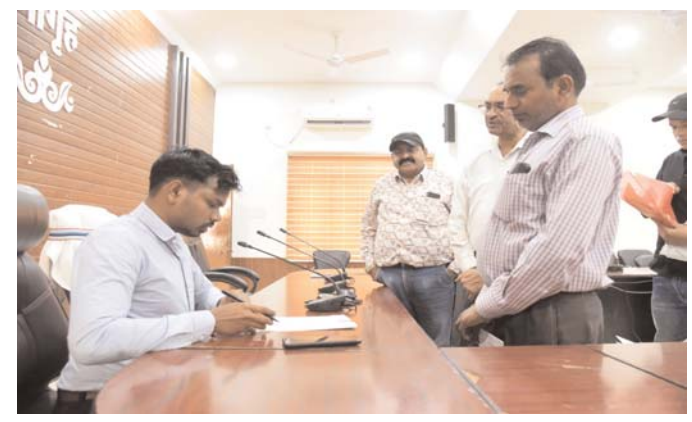

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com